हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, मंगलवार, 11 फरवरी 2025

08 शराब परिवहन एवं विक्रय पर आबकारी विभाग की कार्रवाई

09 विवि में व्यावहारिक और सैद्धांतिक शिक्षा दी जाती है, वह कहीं अन्यत्र प्राप्त नहीं हो सकती

फुंडा में मिली 500 पेटी शराब, एएसपी और पाटन टीआई को कारण बताओ नोटिस

थाना प्रभारी अनिल साहू और एएसपी अभिषेक झा के खिलाफ दायर हुआ आपराधिक परिवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

तीन दिन पहले पाटन के ग्राम फूंडा चौक के समीप स्थित फार्म हाउस में पांच सौ पेटी अवैध शराब बरामद मामले में फार्म हाउस संचालको ने न्यायालय में पुलिस कर्मियों के खिलाफ परिवाद दायर किया है।

जिसमें 10 फरवरी को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी पाटन ने थाना प्रभारी अनिल साहू और एएसपी अभिषेक झा दुर्ग के खिलाफ आपराधिक परिवाद पर संज्ञान लेते हुए उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया है। आवेदकगण ग्राम देवादा पाटन निवासी भीखम लाल वर्मा, कुमारी वर्मा, महेन्द्र कुमार वर्मा, मुकुंद वर्मा, चेलाराम यादव, प्रेमलाल, फुंडा चंद्रभान पोयाम के अधिवक्ता के निवेदन पर न्यायालय ने तत्काल थाना पाटन के सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित रखने का भी निर्देश दिया है। यह मामला 7 फरवरी को ग्राम फुंडा के वर्मा फार्म हाउस में कथित रूप से अवैध शराब जप्त किए जाने से जुड़ा है। आवेदकगण ने पुलिस के दोनों अधिकारियों पर यह भी आरोप लगाया है कि उनके निर्देश पर वर्मा फार्म हाउस में शराब से भरी ट्रक को फार्म हाउस के अंदर कराया गया। शराब की पेटीयां फार्म हाउस के कर्मचारियों से ही अनलोड कराया गया। फिर से पेटीयों को लोड कराया गया ,फार्म हाउस के कर्मचारियों ने न्यायालय में शपथ पत्र देकर आवेदन के परिवाद का समर्थन किया है। पुलिस के द्वारा उनका मोबाइल छीन लेने, जबरदस्ती फार्म हाउस में बिना अनुमति के घुसकर ट्रक से शराब की पेटीयां उतार कर झूठा मामला बनाने की बात कही है।

परिवाद में यह भी कहा गया

आवेदनगण ने अपने परिवाद में यह भी उल्लेख किया है कि दुर्ग एसपी और दोनों पुलिस अधिकारी गण आवेदक महेंद्र वर्मा को फरार होना बताकर और वर्मा फार्म हाउस के संपत्ति को भी जप्त करने की कार्रवाई करेंगे ऐसा बताकर भय उत्पन्न किया गया है। महेंद्र वर्मा स्वयं न्यायालय के समक्ष परिवाद प्रस्तुत किया है कि दोनों अधिकारी उसे झूठा मामला में फंसा रहे हैं। जबकि अवैध शराब से उसका या उसके परिवार का कोई लेना-देना नहीं है। जब महेंद्र वर्मा ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से थाना पाटन के थाना प्रभारी को आवेदन प्रेषित किया। जांच में सहयोग करने की बात भी लिखी तब थाना प्रभारी ने उस आवेदन को लेने से इंकार कर दिया। महेंद्र वर्मा ने एसपी और न्यायिक मजिस्ट्रेट के न्यायालय में उक्त आवेदन को प्रेषित किया। न्यायाधीश ने संज्ञान लिया है और दोनों पुलिस अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस भेज कर पूछा है कि क्यों ना आप लोगों के खिलाफ दांडिक प्रकरण दर्ज किया जाए ।

खबर संक्षेप

बुद्ध विहार में मनी माता रमाई की जयंती

भिलाई। त्याग मूर्ति माता रमाई की 127 वी जयंती जेतवन बुद्ध विहार बेकूंठ धाम मे बड़े ही धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर सामूहिक बुद्ध वंदना किया,जयंती समारोह में शामिल बौद्ध उपासक उपासिकाओं ने मातोश्री रमाई के छाया चित्र पर पुष्प अर्पण भी किया। सभी ने एक स्वर मे कहा कि माता रमाई एक ऐसी नारी शक्ति जिनके त्याग ,समर्पण और बलिदान की बदौलत बहुजन समाज व सर्व समाज की नारी को भारत वर्ष में सम्मान से जीने का अधिकार मिला। समारोह को सफल बनाने के लिए बौद्ध समाज से जुड़े लोगो ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

बाइक चोरी करने वाला चढ़ा पुलिस के हत्थे

भिलाई। बाइक चोरी करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने धारा 303(2) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज किया है। सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी ने बताया कि कैलाश नगर कुरुद निवासी होमेन्द्र कुमार देशमुख नगर निगम भिलाई मेन ऑफिस के सामने बाइक सी.जी. 04 सीई 1591 को खड़ा किया था। बाइक को अज्ञात ने चोरी कर फरार हो गया। पीड़ित ने आसपास खोजबीन करने के बाद शिकायत पुलिस खाने में किया। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने बाइक बेचने की फिराक में युवक ग्राहक की तालाश कर रहा था। घेराबंदी कर उसे पकड़ा गया। आरोपी का नाम सडक नं. 01 ब्लाक नं. 4 क्वा. नं. 1 सेक्टर 5 भिलाई नगर निवासी एम. देवा रेडडी को पकड़ा गया। बाइक चोरी करना स्वीकार किया। 10 हजार रुपए आंकी गई है।

पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ में दी गई आहुति

भिलाई। मॉडल टाउन भिलाई गायत्री मंदिर में पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन 8 व 9 फरवरी को किया गया। गायत्री मंदिर के वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में 5 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन शोभा सोनी व श्रवण सोनी के द्वारा शांतिकुज हरिद्वार के तत्वावधान में प्रज्ञा महिला मण्डल के सहयोग से सम्पन्न हुआ। प्रज्ञा महिला मण्डल के अध्यक्ष दुलारी वर्मा के अध्यक्षता में सामुहिक जप, ध्यान, सुन्दरकाण्ड व दीपमहायज्ञ में हुआ। 9 फरवरी को पांच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ व निःशुल्क विभिन्न संस्कार कराया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए दिलेश्वरी रहंगडाले, रैनी वर्मा, सुभावती शर्मा, पार्वती, गंगबेर टेकराम, सागर सोनी, सुभम सोनी व सत्यम सोनी मौजूद थे।

आज मतदान के बाद स्ट्रांग रूम में कैद होगी मशीनें, 15 को परिणाम

निकायों में 164 वार्ड के सवा तीन लाख से अधिक मतदाता करेंगे आज वोटिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

जिले के दस निकायों के 164 वार्ड में आज सुबह आठ बजे से शाम पांच बजे तक मतदान की प्रक्रिया होगी। इस चुनावी पर्व में सवा तीन लाख से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करेंगे। जिला निर्वाचन आयोग द्वारा आज मतदान दलों को मतदान केन्द्रों के लिए सामग्री वितरण कर रवाना कर दिया गया। वही केन्द्रों में शांतिपूर्ण चुनाव के लिए पुलिस बल की तगडी तैनाती देर रात कर दी गई हैं। नगर निगम चुनाव में 60 वार्डों के 228 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला मंगलवार को ईव्हीएम मशीन में कैद हो जाएगा। प्रशासन ने शांतिपूर्ण चुनाव कराने की पूरी तैयारी कर ली है। क्षेत्र में कुल 397 मतदान केंद्र की स्थापना की गई है। जहां 1688 अधिकारी-कर्मचारी तीन लाख 38943 मतदाताओं से मतदान कराएंगे। घोषित चुनाव कार्यक्रम के अनुसार सुबह 8 बजे से मतदान शुरू होगा, जो शाम 5 बजे तक चलेगा। सभी मतदान केंद्रों में पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। सोमवार को सुबह से मतदान सामग्री वितरण का कार्य शुरू हुआ। इसके लिए अधिकारी-कर्मचारी को मतदान सामग्री वितरण केंद्र भारती कॉलेज में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए थे, वही शेष निकायों को मुख्यालय से दलों को सामग्री देकर रवाना किया गया।

खास बातें

- निकायों के 164 वार्डों में 26 मेयर और अध्यक्ष, 540 पार्षद चुनाव होंगे
- ईवीएम में कराई जाएगी वोटिंग एक ही मशीन में डालेंगे मत
- 18 प्रकार के पहचान पत्र मान्य

डेढ़ हजार से अधिक अधिकारी व कर्मचारी निपटाएंगे चुनाव कार्य

निकायों के 397 मतदान केन्द्रों में तगड़ी व्यवस्था

मतदान सामग्री लेने के लिए केंद्र में दिनभर गहमागहमी का माहौल बना रहा। मतदान दल से जुड़े अधिकारी-कर्मचारियों विभिन्न वाहनों से मतदान केंद्र के लिए रवाना होते रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देश पर सभी मतदान केंद्रों में बिजली, पानी, टेबल-कुर्सी सहित अन्य सामग्री की व्यवस्था पुख्ता की गई है। राज्य सरकार ने इस बार के चुनाव में ईव्हीएम मशीन से वोटिंग की व्यवस्था की है। इसके लिए पिछले दिनों लगातार लोगों को डेमो के जरिए वोटिंग की जानकारी दी गई हैं।

मतदान के लिए श्रमिकों के लिए अवकाश

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा 11 फरवरी और जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत सदस्य, सरपंच और पंचों के निर्वाचन के लिए मतदान क्रमशः 17 फरवरी, 20 फरवरी और 23 फरवरी को अवकाश घोषित किया गया हैं। इसके तहत 11 फरवरी को नगरपालिकाओं के चुनाव के लिए संबंधित क्षेत्रों में स्थित शासकीय कार्यालयों और संस्थानों में सार्वजनिक अवकाश रहेगा। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए 17 फरवरी 2025 सोमवार 20 फरवरी 2025 गुरुवार को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। 23 फरवरी 2025 रविवार पहले से ही शासकीय अवकाश होने के कारण अलग से सार्वजनिक अवकाश की आवश्यकता नहीं है।

मेयर व अध्यक्ष 26 व 540 पार्षदों का चुनाव, शाम 5 बजे तक मतदान

जिले के दस निकायों में महापौर व अध्यक्ष के 26 पदों पर चुनाव होगें, वही पार्षद के 540 पदों पर मतदान होगा। इसमें दुर्ग के 59 वार्ड में मतदाता 2 लाख 37955 है। यहां 59 वार्ड में पार्षद के प्रत्याशी 288 और मेयर भाजपा और कांग्रेस की आमने सामने हैं। इसी तरह भिलाई के 24 वार्ड में निर्विरोध के बाद वार्ड 35 में दो पार्षद का उप चुनाव है। वही रिसाली में एक वार्ड में तीन पार्षद का उपचुनाव, भिलाई चरौदा में एक वार्ड के लिए तीन पार्षद, कुम्हारी में 24 वार्ड के लिए अध्यक्ष का दो व पार्षद 67 हैं। अमलेश्वर में 18 वार्ड में अध्यक्ष के चार और पार्षद के 62 प्रत्याशी है। अहिवारा में 15 वार्ड अध्यक्ष के 8 और पार्षद के 54 प्रत्याशी है। धमधा के पन्द्रह वार्ड में अध्यक्ष के दो और पार्षद 34 हैं। पाटन पन्द्रह वार्ड में अध्यक्ष के तीन और पार्षद के 48 व उतई के पन्द्रह वार्ड में अध्यक्ष के पांच व पार्षद के 38 प्रत्याशी के बीच मतदान होगी।

दुर्ग के 60 वार्डों के लिए 265 बूथ बनाए

नगर निगम क्षेत्र के 60 वार्डों के लिए 265 मतदान केंद्र की स्थापना की गई है। इसी प्रकार नगर पालिका परिषद कुम्हारी 37, अहिवार 18, अमलेश्वर में 18 तथा नगर पंचायत पाटन 15, उतई 15 व धमधा 15 मतदान केंद्र बनाए गए हैं और चुनाव के दौरान व्यवस्था बनाए रखने के लिए कुल 1688 अधिकारी व कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इस तरह टोटल 397 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं।

10 निकायों में इतने मतदाता करेंगे मतदान, सुबह से रहेगी गहमागहमी

जिले के दस निकायो के 164 वार्डो में चुनाव होगें। नगरपालिका निगम दुर्ग के 59 वार्ड में पुरूष 116033 महिला 121896 हैं, यहां टोटल मतदाता 237955 हैं। इसी तरह भिलाई निगम में होने वाले दो वार्ड के उपचुनाव में पुरूष 5699 महिला 5649 टोटल 11348 हैं। निगम रिसाली के एक वार्ड में पुरूष 1053 महिला 1143 टोटल 2196 हैं। भिलाई चरौदा निगम के एक वार्ड में पुरूष 1154 महिला 1162 टोटल 2316 हैं। परिषद अहिवारा के पन्द्रह वार्ड में पुरूष 8044 महिला 8518 टोटल 16562 हैं। अमलेश्वर परिषद के अठारह वार्ड में पुरूष 6347 महिला 6228 टोटल 12575 हैं। कुम्हारी परिषद के चौबीस वार्ड में पुरूष 15552 महिला 15751 टोटल 31304 हैं। नगर पंचायत धमधा के पन्द्रह वार्ड में पुरूष 3841 महिला 4184 टोटल 8027 हैं। नगर पंचायत पाटन के पन्द्रह वार्ड में पुरूष 4878 महिला 4465 टोटल 8543 हैं। नगर पंचायत उतई के पन्द्रह वार्ड में पुरूष 3913 महिला 4203 टोटल 8116 हैं।

फौजीनगर में आज होगा मतदान

वार्ड-24 का चुनाव प्रतिष्ठा का प्रश्न, दिग्गज डटे मैदान में

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

भिलाई निगम के वार्ड- 24 में होने वाले उपचुनाव को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। वार्ड का यह चुनाव भाजपा और कांग्रेस के दिग्गज नेताओं के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बना हुआ है। नगर निगम भिलाई के वार्ड क्रमांक 24 फौजी नगर हाउसिंग बोर्ड में दोनों ही पार्टियों के कार्यकर्ताओं और नेताओं ने ताकत दिखाई। दोनों ही पूरी ताकत झोंक रहे हैं। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन भी भाजपा प्रत्याशी को चुनाव जीताने मैदान में डटे हुए हैं। वहीं भिलाईनगर विधायक देवेंद्र यादव की अनुपस्थिति में उनके भाई धर्मेंद्र यादव मोर्चा संभाल रहे हैं। वे कांग्रेस प्रत्याशी को जीत दिलाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं। निगम निगम भिलाई का एकमात्र वार्ड है, जहां चुनाव हो रहा है। ये वार्ड भिलाई विधायक व पूर्व महापौर देवेंद्र यादव का गृह वार्ड है। दूसरी ओर भाजपा नेता पीयूष मिश्रा पूरी ताकत से लगे हुए हैं। चुनाव में दोनों नेताओं की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। पूर्व सभापति राजेंद्र अरोरा और वरिष्ठ भाजपा नेता अरविंद जैन भी कमान संभाले हुए हैं।

उनके साथ प्रवीण पांडे,मनोज तिवारी, मंडल अध्यक्ष शशि भगत सहित भाजपा संगठन के सभी लोग लगे हुए हैं। कांग्रेस से जिला अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर, बृजमोहन सिंह, महापौर नीरज पाल, संदीप निरंकारी सहित सभी कांग्रेसी मैदान में डटे हुए हैं।

श्रमिक की मौत, ठेकेदार के खिलाफ जुर्म दर्ज

भिलाई। मकान में पानी तराई करते समय श्रमिक के मौत मामले में पुलिस ने जांच के बाद ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई किया है। पुलिस ने ठेकेदार के खिलाफ धारा 304 ए के तहत जुर्म दर्ज किया है। नेवई पुलिस ने बताया कि मकान मालिक मनमोहन श्रोती ने मकान बनाने का काम ठेकेदार घनश्याम पाण्डेय को दिया था। इस दौरान मकान में पानी तराई करने ठेकेदार का श्रमिक सुंदरू राम सागरवंशी आया करता था। 27 फरवरी 2024 की सुबह पानी तराई का काम चल रहा था। इस दौरान बिजली के तार में सुंदरु राम का हाथ आने से करंट लग गया। उसे तुरंत विनायक नर्सिंग अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉ ने चेक करने के बाद मौत होने की पुष्टि की। शव का पीएम कराया गया था। जिसमें डॉ ने करंट की चपेट में आने से मौत होना पाया गया। पुलिस जांच में पाया कि ठेकेदार घनश्याम पाण्डेय के द्वारा अपने श्रमिक सुंदरू राम सागरवंशी को कार्य के दौरान सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराया था। ठेकेदार ने लापरवाही व उपेक्षा पूर्वक उससे कार्य कराया। पुलिस ने गवाहों का भी बयान लिया गया था। मामले में पुलिस ने ठेकेदार घनश्याम पाण्डेय के खिलाफ कार्रवाई किया है।

प्राणघातक हमला करने वाले दो पकड़ाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

- एक अपचारी बालक भी पकड़ा गया

युवक पर प्राणघातक हमला करने वाले दो युवक और एक अपचारी बालक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। युवकों के खिलाफ पुलिस ने धारा 296,119(1),109(1), 3(5) बीएनएस 2023 के तहत जुर्म दर्ज किया है। मोहन नगर पुलिस ने बताया कि आदित्य नगर दुर्ग निवासी लोकेश पाल से शराब पीने के लिए आरोपी शक्ति नगर दुर्ग पीयुष नायक, आशा नगर दुर्ग सागर राजपुत और अपचारी बालक रुपए का डिमांड कर रहे थे। रुपए देने से इंकार करने के बाद तीनों ने गाली गलौज कर आरोपी पीयूष अपने पास रखे चाकू से हमला कर दिया। पीड़ित स्वयं को बचाने के लिए भागने की फिराक में था लेकिन सागर ने उसे पीछे से पकड़ लिया। उसके बाद पीड़ित कर शरीर के विभिन्न हिस्सों में वार कर अधमरा छोड़ आरोपी मौके से फरार हो गए। शिकायत के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को खोजबीन कर गिरफ्तार किया गया। युवकों से चाकू , कटर को जब्त किया है।

विश्वविद्यालय की वार्षिक परीक्षा 6 मार्च से

दुर्ग। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय की वार्षिक परीक्षाएं 6 मार्च से शुरू होगी। इसकी विस्तृत समय सारणी विवि की वेबसाइट www.durguniversity.ac.in पर जारी कर दी गई है। इसके अंतर्गत बीए, बीकॉम और बीएससी समेत विभिन्न स्नातक स्तर और एमए, एमकॉम और एमएससी स्तर की विभिन्न स्नातकोत्तर कक्षाओं की परीक्षाएं ली जाएंगी। जारी समय सारणी के अनुसार बीकॉम की परीक्षा 6 मार्च से 3 अप्रैल तक होगी।

सस्ता सस्ता सस्ता
न्यु ओम ज्वेलर्स
शादी ब्याह में दुल्हनों के लिए एक से एक सुंदर वेरायटी के गहने उपलब्ध
जितने ग्राम सोना लेने पर उतने ही ग्राम की चांदी बिल्कुल फ्री
916 (22K), 833 (20K), 75 (18K) हॉलमार्क के गहने
अब बिल्कुल सस्ते दामों पर उपलब्ध
आज ही पधारें

★ 100% गारंटी सोना, चांदी, हीरा
★ टोटल हाल मार्क जेवर
★ स्पेशल पर्स, बैग फ्री
★ रिपेयरिंग फ्री
शॉप नं. 64 बी इंदिरा मार्केट, दुर्ग

चंगोरी, सोनपुर, करगा और अमेरी को शामिल किया गया पायलेट प्रोजेक्ट

दुर्ग में होगी सरसों की खेती, 275 एकड़ में लगाई फसल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिलाई

जिले में पायलेट प्रोजेक्ट के तहत सरसों की खेती शुरू की गई है। जिले के चंगोरी, सोनपुर, करगा और अमेरी में इसकी शुरुआत की गई है। करीब 275 एकड़ में सरसों की फसल लगाई जा रही है। इसके लिए भारतीय कृषि अनुसंधान प्ररिषद के कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान जबलपुर से प्राप्त पौधों को किसानों को सौंपा गया। उन्हें सरसों के उत्पादन और बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कृषि विज्ञान केन्द्र पाहंदा के कृषि वैज्ञानिकों ने इस बारे में किसानों को अवगत कराया। 275 एकड़ में सरसों फसल का समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के रूप में प्राप्त हुआ था, जिसे किसानों को उपलब्ध कराया गया। इसके लिए किसानों में रामकुमार वर्मा, परदेशी वर्मा, बलराम बांधे, महेन्द्र वर्मा, मनहरण वर्मा, पंकज वर्मा, सरजू ठाकुर, घनश्याम ठाकुर ने खेतों में लगे सरसों फसल का का अवलोकन भी किया था।

पायलेट प्रोजेक्ट के तहत कृषि विज्ञान केंद्र पाहंदा ने किसानों को बांटे पौधे

किसानों को दिया गया प्रशिक्षण, सरसों की खेती के तरीके बताए

भ्रमण के दौरान किसानों को कृषि विज्ञान केन्द्र पाहंदा द्वारा सरसों की फसल का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान निगरानी दल ने भ्रमण किया। निगरानी दल में वैज्ञानिक डॉ. जीपी अयाम, डॉ. रामामोहन साहू, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एचके सिंह उपस्थित थे। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. एसएस टुटेजा ने भी किसानों को सरसों की खेती से जुड़ी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह काफी फायदेमंद फसल है। इसकी खासी डिमांड हैं। इससे किसान लाखों रुपए की आमदनी अर्जित कर सकते हैं।

चंगोरी में 32.5 एकड़ में ली जा रही सरसों की फसल

किसानों ने सरसों खेती के लिए किए गए विभिन्न कृषिगत कार्यो की जानकारी ली। कृषि वैज्ञानिकों ने कृषकों को सरसों की उन्नत खेती की विधि की जानकारी दी। ग्राम चंगोरी में कृषकों द्वारा आधार एवं प्रमाणित बीज उत्पादन कार्यक्रम के अंतर्गत 32.5 एकड़ में फसल ली जा रही है। इसकी कृषि वैज्ञानिकों ने प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इसका फायदा जरूर किसान को मिलेगा। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में इस प्रकार के प्रदर्शन और भी लगाए जाएंगे, ताकि ज्यादा से ज्यादा किसान इस फसल से जुड़ सकें और ज्यादा लाभ अर्जित कर सकें। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र पाहंदा के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. विजय जैन, डॉ. ईश्वरी कुमार साहू, डॉ. कमल नारायण, डॉ. विनय कुमार नायक आदि उपस्थित थे।

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें- दुर्ग, भिलाई
9300663610, 7489348301

खबर संक्षेप

यादव ठेठवार समाज का वार्षिक अधिवेशन संपन्न

दुर्ग। यादव ठेठवार समाज दुर्ग राज के 112 गाँव पदाधिकारियों द्वारा एक दिवसीय वार्षिक अधिवेशन हुआ। अधिवेशन में माताएं, बहनों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया। मुख्यतिथि यादव ठेठवार महासभा के प्रदेशाध्यक्ष गुलेंद्र यादव, विशिष्ठ अथिति रिवेन्द्र यादव पूर्व अध्यक्ष सरपंच संघ दुर्ग रहे। आयोजन में माता, बहनों, युवा साथियो द्वारा सभी का सम्मान किया गया। वार्षिक अधिवेशन में संगठन का चुनाव प्रदेश अध्यक्ष गुलेन्द्र यादव द्वारा करवाया गया। राज अध्यक्ष के लिए दो उम्मीदवार नन्द झरोखा यादव डडेसरा व राजकुमार यादव उतई, सचिव में कृष्ण कुमार यादव व हरिशंकर यादव थे। जिमसे दुर्ग राज के 112 गाँव के पंचों द्वारा मतदान कर अध्यक्ष राजकुमार यादव, सचिव हरिशंकर यादव को चुना गया। साथ ही उपाध्यक्ष अभिषेक यादव, सहसचिव जगन्नाथ यादव, कोषाध्यक्ष जनक यादव बने। अधिवेशन में यादव ठेठवार दुर्ग राज के पदाधिकारी उपाध्यक्ष अभिषेक यादव, अशोक यादव, कोषाध्यक्ष जनक यादव, पुनीत यादव, रामनाथ यादव, राज महतो, सुभाष चंद्र यादव, वरिष्ठ पंच जगन्नाथ यादव, रामाधार यादव, गंगाराम यादव, किशुन यादव, महेश ठेठवार, राजकुमार यादव, रमेश यादव, कृष्णा यादव, दिलहरण यादव, गणेश यादव, शत्रुहन यादव, राजू यादव, मुन्ना यादव आदि शामिल हुए।

रासेयो ने स्वच्छता व रक्तदान करने लिया संकल्प

दुर्ग। शासकीय विश्वनाथ यादव महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर तरुन कुमार साहू के मार्गदर्शन अनुसार स्वच्छता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अजय सिंह ने संकल्प करते हुए संबोधित किया कि स्वच्छता हमारी पहली जिम्मेदारी एवं पहलू होते हैं। राजपथ दिल्ली में सम्मिलित होने वाले स्वयंसेवक दीपांकर ने परेड एवं व्यक्तित्व विकास के बारे में बताया। स्वयंसेवक नकुल द्वारा जिला अस्पताल में रक्तदान किया गया। कार्यक्रम में दल नायक रितिक, वरिष्ठ स्वयंसेवक द्रविण ने भागीदारी किया।

गंदे पानी से उठ रही बदबू संक्रामक बीमारी का खतरा

दुर्ग। रामनगर दुर्ग में महाकालेश्वर शिव मंदिर वाली गली के रहवासी बदबू से परेशान हैं। यहां खाली प्लाट में गंदा पानी और कचरा भरा हुआ है। वहीं कुछ घरों से निकलने वाला गंदा पानी भी वहीं जमा हो रहा है। जिसकी वजह से यहां बदबू उठ रही है और मच्छर भी खूब पनप रहे हैं। जिससे आसपास के रहवासी बहुत अधिक परेशान हैं। निगम के सफाई कर्मियों को इसकी जानकारी देने के बावजूद वे इसकी सफाई नहीं कर रहे हैं। जिससे समस्या यथावत बनी हुई है। लोगों का कहना है कि यदि इस जगह सफाई नहीं की गई तो संक्रामक बीमारी फैलने की आशंका है।

दसवीं में 17 हजार और बारहवीं में 12 हजार परीक्षार्थी देंगे बोर्ड की परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

छग शिक्षा मंडल द्वारा आगामी एक मार्च को बारहवी और तीन मार्च को दसवी बोर्ड परीक्षा की तिथि घोषित कर दी गई हैं। जिले में इस बार जहां तीन नए केन्द्र बनाए गए हैं, वही तीन पुराने परीक्षा केन्द्र को बंद किया गया हैं। दसवी व बारहवी के आलावा इस बार पांचवी और आठवी बोर्ड परीक्षा की तिथि भी जारी कर दी गई हैं।

सीजी बोर्ड की परीक्षाओं की शुरुआत 1 मार्च से हो रही है। इनके लिए दुर्ग जिले में बोर्ड के मुख्य परीक्षा केंद्र 135 बनाए गए हैं। दुर्ग मे 68, पाटन में 36, धमधा में 31 केंद्र बनाए हैं। जिसमे 3 नए केंद्र पहला शा.उ.मा.वि. उरला दुर्ग, दूसरा शा.उ.मा.वि. जे.पी. नगर केम्प 2 भिलाई और तीसरा शा. हाई स्कूल कानाकोट पाटन बनाया गया हैं। वही सत्र 2024-25 में 3 परीक्षा केन्द्र बंद किये गये है। जिसमे डीएव्ही माडल स्कूल आर्यनगर दुर्ग, महर्षि दयानंद स्कूल सेक्टर 6 मिलाई, और विवेकानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल सेक्टर 2 भिलाई को बंद किया गया हैं।

एक मार्च से बारहवीं और तीन मार्च से दसवीं की परीक्षा, पांचवी और आठवीं की समयसारिणी भी जारी

दसवीं और बारहवीं में इतने विद्यार्थी

माशिमं से मिली जानकारी के अनुसार दसवीं में विद्यार्थियों की संख्या 17,131 और बारहवीं में विद्यार्थियों की संख्या 12,929 हैं। बोर्ड परीक्षा प्रारंभ होने के दौरान कोई समस्या होने पर समाधान के लिए जिले में कन्ट्रोल रूम बनाये गये है। जिसके लिए प्रभारी अधिकारी अमित घोष सहायक संचालक और संजय कुमार मानिकपुरी (उ.व.शि.), शास. प्रोन्नत पूर्व माध्य. शला चिरपोटी दुर्ग की नियुक्ति की गई हैं। पूरे जिलों में सीजी बोर्ड परीक्षा के लिए 135 केंद्र बनाए गए हैं।

थाने में रखे जाएंगे प्रश्न पत्र

सीजी बोर्ड की परीक्षाएं शुरु होने से पहले प्रश्नपत्रों का वितरण 24 फरवरी से किया जाना हैं। जिसके लिए प्रश्न पत्रों समेत गोपनीय सामग्री को 25 थानों में रखा जाएगा। साथ ही केंद्र के आसपास पुलिस की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इधर स्कूलों में भी बोर्ड परीक्षा को लेकर तैयारी अंतिम चरण में हैं। आगामी 24 फरवरी को 80 केंद्रों में प्रश्न पत्र का वितरण किया जायेगा, वही 25 फ़रवरी को 55 केंद्रों में प्रश्न पत्रों का वितरण किया जावेगा।

बोर्ड के बाद पांचवी और आठवीं की परीक्षा

छत्तीसगढ़ लोक शिक्षण संचालनालय की ओर से कक्षा 5वीं और 8वीं केन्द्रीकृत परीक्षा 2025 की समय-सारिणी जारी की दी गई। कक्षा 5वीं की परीक्षा 17 मार्च और कक्षा 8वीं की परीक्षा 18 मार्च से शुरू होगी। जहां पांचवीं की परीक्षा सुबह 8 बजे से 10 बजे तक और आठवीं कक्षा की सुबह 8 बजे से 11 बजे तक

चुनाव : भारती विश्वविद्यालय से 276 मतदान दलों ने किया प्रस्थान

मतदान दलों को हरी झंडी दिखाकर केन्द्रों के लिए किया गया रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

नगरीय निकाय चुनाव को लेकर एक दिन पहले प्रत्याशियों ने पूरी ताकत झोंक दी। देर रात डोर टू डोर व्यक्तिगत संपर्क कर कई वायदे किए गए। कई पुराने पार्षद जहां पूर्व में किए गए कार्य को दुहराते रहे, वही नए पार्षदों ने भी वोटरों से विकास के कई वायदे किए है। इन प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला मशीन में आज कैद हो जाएगा।

आज जिले के 164 वार्डो में मतदान होना है। इसके लिए सोमवार को भारती विश्वविद्यालय पुलगांव दुर्ग में नगरीय निकायों के लिए निर्धारित मतदान सामग्री का वितरण किया गया। सामग्री वितरण के पश्चात कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी ने दुर्ग नगर निगम अंतर्गत नगर पालिक निगम दुर्ग के लिए 265 मतदान दल, नगर पालिक निगम भिलाई के लिए 8 मतदान दल एवं नगर पालिक निगम रिसाली के लिए 3 मतदान दलों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इससे पूर्व कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री चौधरी ने सामग्री वितरण स्थल में लगाए गए विभिन्न स्टालों में मतदान दल को वितरित की जाने वाली मतदान सामग्री का अवलोकन किया एवं दल के सदस्यों, निर्वाचन प्रक्रिया में संलग्न अधिकारी-कर्मचारियों से मतदान के संबंध में चर्चा की। इस दौरान एसपी जितेन्द्र शुक्ला, रिटर्निंग अधिकारी एडीएम अरविन्द एक्का एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद थे।

मतदान के एक दिन पहले प्रत्याशियों ने झोंक दी ताकत

अधिकारी व कर्मचारी ने एक दिन पहले किया मतदान

नगरीय निकाय निर्वाचन-2025 में निर्वाचनीय कार्य में संलग्न कर्मचारियों हेतु निर्वाचन कर्तव्य मतपत्र के माध्यम से उनके मताधिकार को सुनिश्चित किया जाना है। उपसंचालक समाज कल्याण एवं नोडल अधिकारी डाकमत पत्र के जरिए 10 फरवरी को शाम 5.30 बजे तक कार्यालय उपसंचालक समाज कल्याण विभाग, जिला पंचायत परिसर दुर्ग में उपस्थित होकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया गया। इसके अलावा सामग्री वितरण केन्द्र में भी मतदान कर सकते हैं।

मतदान दिवस पर शुष्क दिवस घोषित

छत्तीसगढ़ शासन वाणिज्यिक कर (आबकारी) विभाग द्वारा नगर पालिका आम, उप निर्वाचन 2025 हेतु मतदान 11 फरवरी 2025 के पूर्व 9 फरवरी 2025 की संध्या 5 बजे से 11 फरवरी 2025 की मतदान समाप्ति तक मदिरा दुकाने बंद रखे जाने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने छ.ग. आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 24 की उप-धारा (1) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिले के निर्वाचन क्षेत्रों में एवं निर्वाचन क्षेत्र से लगे सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थित जिले की समस्त देशी मदिरा एवं विदेशी की फुटकर दुकानों, रेस्टॉरेंट-बार, होटल-बार, क्लब आदि को बंद रखे जाने हेतु 'शुष्क अवधि' दिवस घोषित किया है।

मतदाता के लिए 18 प्रकार के दस्तावेज मान्य

मतदान के लिए 18 प्रकार के दस्तावेजों को मान्य किया गया है। इसमें मतदाता परिचय पत्र, बैंक, डाक घर फोटोयुक्त पासबुक, पासपोर्ट, पेन कार्ड, आधार कार्ड, राज्य, केन्द्र सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम या स्थानीय निकाय द्वारा उनके अधिकारी एवं कर्मचारियों को जारी किया गया फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, मनरेगा जॉब कार्ड, फोटोयुक्त स्वास्थ्य बीमा योजना (स्मार्ट) कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, स्वतंत्रता सेनानी फोटोयुक्त पहचान पत्र, केन्द्रीय अथवा राज्य माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा जारी दसवीं एवं बारहवीं की फोटोयुक्त अंकसूची, बार कौंशिल द्वारा अधिवक्ताओं को जारी फोटोयुक्त परिचय पत्र, फोटोयुक्त विकलांगता प्रमाण पत्र, फोटोयुक्त राशनकार्ड, फोटोयुक्त छात्र पहचान पत्र, फोटो युक्त शस्त्र लाइसेंस तथा छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा तैयार साफ्टवेयर एसईसी-ईआर द्वारा ऑनलाईन जनरेट मतदाता पहचान पर्ची शामिल है।

किसानों को पन्द्रह सौ करोड़ के अंतर की राशि हुई जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

■ राज्य शासन ने प्रति क्विं. आठ सौ रूपए के हिसाब से दी राशि

राज्य शासन द्वारा जिले के किसानों को पन्द्रह सौ करोड रूपए बोनस की राशि जारी कर दी गई है। राज्य शासन द्वारा जिला सहकारी केन्द्रिय बैंक को राशि जारी कर दी गई है। जिसके बाद पिछले दो दिन से किसान खाते में बोनस की राशि जमा होने का इंतजार कर रहे है।

जानकारी अनुसार दुर्ग जिले में 106624 किसानों से 576107 टन और बालोद जिले के 147911 किसानों से 756559 टन व बेमेतरा के 157633 किसानों स 937107 टन यान तीनों जिले के 412168 किसानों से 2269774 टन धान की खरीदी की गई थी। इस हिसाब से राज्य शासन को प्रति टन आठ हजार रूपए का भुगतान किसानों को करना है। इस तरह तीनों जिले में 18 अरब 15 करोड 81 लाख 92 हजार रूपए की अंतर की राशि का भुगतान इन किसानों को करना है। जिला सहकारी केन्द्रिय बैंक के सीईओ एसके जोशी ने बताया कि, शासन से अंतर की राशि का तीनों जिले के लिए पन्द्रह सौ करोड रूपए जारी किए गए है। वही करीब तीन सौ करोड रूपए के लिए किसानों को इंतजार करना पडेगा। इधर धान बेचने के बाद प्रदेश के डेढ हजार से अधिक किसानों को साढे तीन हजार करोड रूपए की राशि जारी नही हुई है।

भाजपा पर आम जनमानस का अटल विश्वासः अलका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

■ भाजपा प्रत्याशी ने कहा जनसंपर्क में मिला अपनापन

भारतीय जनता पार्टी की महापौर प्रत्याशी अलका बाघमार पूरे चुनाव प्रचार के दौरान आम जनता वरिष्ठ नागरिक युवा, महिला, उद्योगपति, विभिन्न समाजों के साथ हुए जनसंपर्क में एवं बैठकों में मिले अपनापन को लेकर अपनी जीत को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हूं। जगह-जगह अपने-अपने स्तर पर जो अपनापन जो सम्मान दिया। वह अविस्मरणीय है।

महापौर प्रत्याशी ने आगे कहा कि, जनमानस से जब मिलती थी तो अपनी पीड़ा अपनी व्यथा को सुनाते सुनाते हुए भावुक हो जाते थे। कहीं पर नाली की समस्या, कहीं पर पानी की समस्या, तो कहीं पर साफ सफाई का अभाव कहीं कहीं पर पट्टा नहीं मिलना और कहीं-कहीं पर तो प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर धोखा किया गया।

आम जनमानस ने प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर घर तो तोड़ दिया पर उन्हें किस्त प्रदान नहीं की गई। उन्हें बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ा कुल मिलाकर कहे तो आम जनता नर्क का जीवन को भोगना पडा था।

श्रीमती अल्का बाघमार ने आगे कहा कि मैं भारतीय जनता पार्टी के समस्त वरिष्ठ नेताओं ,पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, शक्ति केंद्र के कार्यकर्ता, बुथ स्तर के कार्यकर्ताओं का हृदय से धन्यवाद एवं आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित करती हूं जिन्होंने पूरी मेहनत लगनशीलता के साथ पार्टी के हित में कार्य किया आप सभी चुनाव के दिन भी पूरी मेहनत और लगन के साथ मैदान पर डटे रहे और भारतीय जनता पार्टी के पक्ष पर मतदान की अपील करते रहे।

कन्या महाविद्यालय में सरस्वती पूजन कर शास्त्रीय नृत्य की दी गई प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

शासकीय डॉ. वावा पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में संगीत विभाग, नृत्य विभाग, चित्रकला एवं मूर्तिकला तथा इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बसंत पंचमी (सरस्वती पूजा) एवं निराला जयंती मनाई गई। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रंजना श्रीवास्तव एवं शासकीय खूबचंद बघेल महाविद्यालय भिलाई-3 की प्राचार्या डॉ. अश्वनी महाजन, डॉ. अमिता सहगल, डॉ. अनिल जैन, डॉ. मिलिन्द अमृतफले एवं अन्य प्राध्यापकों ने माँ सरस्वती का पूजन किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के संगीत विभाग की छात्राओं ने संगीत विभागाध्यक्ष डॉ. मिलिन्द अमृतफले के संगीत निर्देशन में सुमधुर सरस्वती वंदना और नृत्य विभाग की सहायक प्राध्यापक सुश्री सृष्टी मन्ना के निर्देशन में नृत्य विभाग की छात्राओं ने शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तुति दी। साथ ही निराला जयंती भी उत्साह से मनाई गई। हिन्दी विभाग की छात्रा कु. वर्षा ने निराला की कविता ''तोड़ती पत्थर'' का प्रस्तुतिकरण दिया। इस आयोजन पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रंजना श्रीवास्तव ने छात्राओं को उद्बोधित किया और छात्राओं को मेहतन से अध्ययन करने का आहवान किया।

शराब परिवहन एवं विक्रय पर आबकारी विभाग की कार्यवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

■ 1550 नग एमपी निर्मित शराब जप्त

आबकारी विभाग जिला दुर्ग द्वारा वृत दुर्ग आंतरिक दक्षिण के अतंर्गत ग्राम मटंग, मानिकचौरी मार्ग थाना उतई में दोपहर गश्त के दौरान अवैध शराब के परिवहन एवं धारण की सूचना पर त्वरित एवं विधिवत कार्यवाही कर आरोपी पुकेश्वर खरे उर्फ नानू के कब्जे से 31 पेटियों में भरी कुल 1550 नग गोवा स्पेशल पाव फॉर सेल इन एमपी ओनली मदिरा जिसका मूल्य 2,01500 रूपये है तथा एक स्विफ्ट कार सीजी 08 एएन 7948 जिसका मूल्य लगभग 5 लाख कुल कीमत लगभग 7,01,500 रूपये जप्त किया गया। उक्त प्रकरण में आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर अरविन्द साहू आबकारी उप निरीक्षक द्वारा विवेचना में लिया जाकर आरोपी को जेल दाखिल किया गया। इस प्रकरण में आबकारी उप निरीक्षक गीतांजलि तारम, आबकारी मुख्य आरक्षक संतोष दुबे, आबकारी आरक्षक खुलदीप यादव, ड्राइवर धनराज एवं नोहर का योगदान रहा।

आयोग ने मतदान की गोपनीयता भंग करने पर दिए कार्रवाई के निर्देश

सोशल मीडिया में आपत्तिजनक पोस्ट पर रहेगी नजर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

■ आज मतदान पर आयोग की कड़ी पहरेदारी

मतदान की गोपनीयता भंग करने वालों के खिलाफ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 128 के अन्तर्गत की जाएगी कार्रवाई की जाएगी। नगरीय निकाय निर्वाचन 2025 के तहत जिले में आदर्श आचार संहिता प्रभावशील है।

नगरीय निकाय निर्वाचन 2025 कार्यक्रम अंतर्गत नगर पालिक निगम दुर्ग के महापौर एवं पार्षद तथा नगर पालिक परिषद् व नगर पंचायत के अध्यक्ष एवं पार्षद पदों के लिए मतदान 11 फरवरी 2025 को किया जाएगा। जिसमें मतदाताओं का मतदान केंद्र के अंदर मोबइल ले जाना प्रतिबंधित है। अगर मतदाताओं द्वारा अपने दिए गये मत को मतदान कक्ष के अन्दर रखे बैलेट यूनिट का बटन दबाते हुये फोटो एवं वीडियो मोबाईल में खींचकर अपने विभिन्न सोशल मीडिया पेज में अपलोड कर अपने मतदान की गोपनीयता को भंग किया जाता है, तो लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 128 अन्तर्गत अपराध है। ऐसे कृत्य करने वाले लोगों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। देखा जा रहा है कि, राजनीतिक दल अथवा कार्यकर्ताओं द्वारा भी एक-दूसरे के दल अथवा व्यक्तिगत रूप से आपत्तिजनक फोटो वीडियो बनाकर सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, यह भी कानूनन अपराध है। जिसके लिए पोस्ट भेजना वाले एवं ग्रुप एडमिन के विरूद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। सभी राजनीतिक दल एवं प्रत्याशियों से कार्यकर्ताओं एवं मतदाताओं को इस संबंध में जागरूक करने की अपील की है।

कलेक्टर ने की मतदान करने की अपील

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी ने जिले के नगरीय निकाय निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की है। कलेक्टर ने कहा कि, भारत एक लोकतांत्रिक देश है और लोकतंत्र की मजबूती में हर मतदाता की अहम भूमिका होती है। उन्होंने युवाओं और नए मतदाताओं को विशेष रूप से लोकतंत्र के इस पर्व में सहभागी बनने के लिए प्रेरित किया है। कलेक्टर ने हर मतदाता को मतदान में अपनी भागीदारी निभाने और अपने आस-पास के मतदाताओं को भी मतदान के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया है।

कलेक्टर रिचा प्रकाश चौधरी संभालेंगी डिप्टी सेक्रेटरी का पद

दुर्ग। आईएएस अधिकारी रिचा प्रकाश चौधरी को केंद्र में बड़ी जिम्मेदारी मिली हैं पै रिचा प्रकाश चौधरी को केंद्र में वाणिज्य विभाग में उप सचिव नियुक्त किया गया है बता दें कि वर्तमान में दुर्ग कलेक्टर रिचा प्रकाश चौधरी छत्तीसगढ़ कैडर की 2014 बैच की पै हैं केंद्रीय स्टाफिंग स्कीम के तहत पै रिचा प्रकाश को वाणिज्य विभाग में उप सचिव के पद पर नियुक्त किया गया हैण चार साल का कार्यावधि पदभार ग्रहण करने के साथ शुरू होगी। इसके साथ ही पत्र जारी होने के तीन सप्ताह के भीतर पदभार ग्रहण करने के लिए निर्देशित किया गया है।

सादर अपील

मेरे वार्ड के सभी आदरणीय मतदातागण बुजुर्गों, भाइयों और बहनों, मै अजित वैध (पूर्व पार्षद) आपके विश्वास और आपके आपनेपन के कारण मुझे वो शक्ति वो ताकत मिली की मै पुनः आपकी सेवा में वार्ड नं.12 से पार्षद प्रत्याशी के रूप में उपस्थित हुआ हुं आप लोगों की सेवा के लिए अवसर मिला है। संविधान की शपथ लेकर मैने अपने कार्यकाल को पूरी ईमानदारी और कर्मठता और जिम्मेदारी से निभाया चाहे वो कोरोना काल में हो जिसमें राशन से लेकर दवाइयो और हर जरूरी जीवन दाई चीजों को एक परिवार के बेटे की तरह मैने पूर्ति की है, साथ अपने वार्ड में शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा (CC TV) एवं सफाई, नल जल, रोड, नाली समूह रोजगार अन्य बहुत से जन हितैषी कार्य किए।

आप सभी लोगो से, मेरा परिवार है, ऐसा मुझे पिछले 5 वर्षो मे एहसास हो गया क्योंकि हर छोटी बड़ी समस्याओ में आपको मैने अपने साथ पाया और जरूरत पड़ने आप लोगो ने ही मेरा मार्गदर्शन किया जिसकी बदौलत आज मै आपकी आवाज बन कर आपके लिए विकास कार्य कर पा रहा हुं, और तो और मैं पिछले 15 वर्षो से हर समाज के हर वर्ग के लिए कार्य कर रहा हूं, सभी की भावनाओं के अनुरूप धार्मिक उत्सवों में सहयोग एवं महापुरुषों महामानवों का सम्मान एवं Sc/ST के जाति प्रमाण पत्र से लेकर अन्य मुद्दों को लेकर लगातार निगम व सड़कों पर समाज के साथ कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष करते आ रहा हूं, मेरे साथ वार्ड में मेरे साथी वार्डवासियों, जिन्होंने हर कदम पर मेरे शुभचिंतको ने साथ दिया आप सभी के प्रति हृदय के गहराइयों से आभार व्यक्त करता हूं।

आप सभी लोकतंत्र के संरक्षक निष्ठावान मतदाताओं से मै विनती करता हूं अपील करता हुं, पिछले चुनाव में मुझे सेवा का मौका दिया, उसी प्रकार इस बार भी आप अपने सेवक को स्नेह, सहयोग और आशीर्वाद प्रदान करेंगें। और सिलाई मशीन छाप पर मत देकर भारी मतों से सफल बनाए ताकि मै सबके लिए कार्य कर सकूं क्योंकि आपने मेरे कार्य को देखा है, जाना है, परखा है पिछले कार्यकाल में इस कार्यकाल में वार्ड के युवाओं एवं महिलाओं के रोजगार एवं उत्थान के लिए कार्य योजना बनाकर कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हुँ।

मै इस बार भी आपके हक़ की आवाज बन कर और बेहतर और उत्साह से आपके साथ अपने वार्ड को दुर्ग व छ.ग. राज्य मॉडल वार्ड बनाने की ओर अग्रसर रहूंगा। पुनः आप सभी से विनती है, अनुरोध है, आपके वार्ड के बेटे की, भाई की, सेवक की अपील है कि सभी एकमत होकर मुझे अपना कीमती व बहुमूल्य मत प्रदान कर सेवा का मौका दे।

धन्यवाद।

क्र. 3 सिलाई मशीन

छाप पर बटन दबाकर भारी मतों से विजयी बनावें

अजीत वैद्य
निर्दलीय पार्षद प्रत्याशी
वार्ड क्र.12, मोहन नगर पश्चिम

मतदान दिनांक : 11 फरवरी, मंलवार
समय : प्रातः 8.00 से 5.00 तक

खबर संक्षेप

छाटा में भागवत कथा 13 से

सेलूद। छाटा में 13 फरवरी से श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 21 फरवरी तक चलेगा। कथा का समय दोपहर 2 बजे से प्रारंभ होगी।

निधन

खेमन साहू

भिलाई। केम्प 2 गांधी चौक निवासी खेमन साहू उम्र 34 वर्ष का 9 फरवरी को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार रामनगर मुक्तिधाम में किया गया। वे जोहर साहू के पुत्र, सबिता के पति, श्रेयांश साहू के पिता और तुला व रोहित साहू के भाई थे।

जयप्रकाश कुर्रे

पाटन। पाटन नगर के वार्ड 9 निवासी पूर्व पार्षद जयप्रकाश कुर्रे उम्र 53 वर्ष का निधन 10 फरवरी को हो गया । उनका अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया। वे देवेंद्र कुर्रे, योगेश कुर्रे के पिता और गजेंद्र कुर्रे, वेद प्रकाश कुर्रे के भाई थे। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

कर्मा चौक से लोहिया पेट्रोल पम्प कृष्णा नगर के मध्य हो रहा नाले का निर्माण

नाले का पानी डायवर्ट किये बिना अच्छे ढंग से निर्माण नहीं किया जा सकता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

बरसात के दिनों में सुपेला घड़ी चौक पर लबालब पानी भर जाने से होती है दुर्घटना की आशंका

नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा आवश्यकता को देखते हुए कर्मा चौक मोर्या टाकिज से लोहिया पेट्रोल पम्प कृष्णा नगर के मध्य नाले का निर्माण 1 करोड़ 97 लाख की लागत से करवाया जा रहा है। यह नाला पूर्व में 25 साल पहले का निर्मित होने के कारण जीर्णक्षीर्ण हो गया था। इसके कारण पानी का बहाव ठीक से नहीं हो पा रहा था। बरसात के समय अधिक वर्षा होने से नाला भरकर उफान में आ गया। इससे सुपेला घड़ी चौक पर लबालब पानी भर जाने के कारण सड़क व नाला दिखना बंद हो गया था, इससे दुर्घटना की संभावना बनी रहती थीं। उसी को देखते हुए नाला अधिक समय तक टिकाऊ रहे और व्यवस्थित हो इसलिए उसके बहाव को डायवर्ट करने की आवश्यकता थीं।

इसका निरीक्षण करने आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, जोन आयुक्त अजय सिंह राजपूत को लेकर स्वयं गये थे। निर्माण एजेंसी का कहना था कि हमने नाले के बहाव को रोकने के लिए बीच में राष्ट्रीय राजमार्ग के दूसरी तरफ पानी को डायवर्ट कर दिया है। इसके लिए बीच में बालू से भरा बोरी रख दिया गया। इसके कारण दलदल और मलवा पूरी तरफ से सतह पर बैठ जा रहा है। ऊपर का पानी पुराने बस डिपो में भरते हुए सब्जी मंडी के रास्ते निकल रहा है। देखने में वह पानी पूरी तरफ से साफ सुथरा लगता है। कुछ लोग इसे पाने का पानी समझ रहे हैं। यह नाला 2 मीटर गहरा, 2 मीटर चौड़ा, 1580 मीटर लम्बा निर्माण के साथ-साथ उसके उपर स्लेब से लिन्टर भी किया जाएगा। जिससे भविष्य में कोई दुर्घटना न हो।

नाले का सतह पूरी तरह सीमेंटीकरण हो, उसकी बराबर तराई हो और सूख जाने के बाद ही पुराने बहाव को उसमें जोड़ा जा सकता है। नगर निगम भिलाई को इस बात का संज्ञान है, इसलिए पानी को डायवर्ट किया जा रहा है। नाले के पानी को डायवर्ट करने से लोगों को परेशानी नही होगी और बारिश में बाढ़ या जलभराव की स्थिति भी नहीं बनेगी। लोगों से नाले में कचरा आदि नहीं डालने की भी अपील की गई है। नगर निगम द्वारा इस बात पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है कि डायवर्शन के दौरान क्षेत्रवासियों को किसी भी प्रकार की परेशानी या असुविधा न हो।

विवि में व्यावहारिक और सैद्धांतिक शिक्षा दी जाती है, वह कहीं अन्यत्र प्राप्त नहीं हो सकती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुम्हारी

- द आईसीएफएआई विश्वविद्यालय कुम्हारी में हुआ वार्षिकोत्सव

द आईसीएफएआई विश्वविद्यालय कुम्हारी, रायपुर का वार्षिकोत्सव शनिवार को विश्वविद्यालय प्रांगण में आयोजित किया गया। इस आयोजन में मुख्य अतिथि डॉ. गिरीश चंदेल कुलपति इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर साथ ही विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सत्य प्रकाश दुबे एवं कुलसचिव डॉ. मनीष उपाध्याय उपस्थित थे। कुलपति डॉ. सत्य प्रकाश दुबे ने इस आयोजन में वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जिसमें उन्होने विश्वविद्यालय के वर्ष भर की समस्त गतिविधियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विविध गतिविधियां जिसमें शैक्षणिक, खेल, साहित्यिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी संबंधी सभी उपलब्धियां शामिल रही। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि- आज के इस समय में शिक्षा प्राप्त करने के कई आयाम है। किंतु विश्वविद्यालय में जो व्यावहारिक और सैद्धांतिक शिक्षा दी जाती है वह कहीं अन्यत्र प्राप्त नहीं हो सकती। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि आज का समय सृजनशीलता को बढ़ाने वाला है इसलिए प्रत्येक विद्यार्थियों को अपने अंदर छिपी प्रतिभाओं को बाहर लाने के लिए ऐसे आयोजन एक मंच प्रदान करते हैं। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दी जिसमे पीयूष अनुराग ने कत्थक नृत्य, ऐश्वर्या एंड ग्रुप ने छत्तीसगढ़ी नृत्य, छात्राओं ने घूमर एकल गीत और सामूहिक गीत, बैंड और विभिन्न प्रांतों की वेशभूषा में रैंप वॉक किया। मुख्य अतिथि के द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया जिसमें आउटपुट रीच कार्यक्रम रिजर्व बैंक आफ इंडिया में पुरस्कृत एवं प्रवीणता प्राप्त विद्यार्थियों को मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान किया। आई-स्पर्धा 2025 में विभिन्न खेलों में प्रथम आए विद्यार्थियों को ट्रॉफी प्रदान की गई।

दो पत्ती की गूंज, मिल रहा लोगों का समर्थन

निकुम। त्रिस्तरी पंचायत चुनाव नजदीक आते-आते चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। वहीं प्रत्याशी डोर टू डोर जनसंपर्क करें रहे हैं। क्षेत्र क्रमांक 7 के आशा सुरेश साहू मासाभाट, विनायकपुर, आमटी में जनसंपर्क किया। वही विकास के विजन को लेकर जनता के पास पहुंच रही है और दो पत्ती की गूंज क्षेत्र में सुनाई दे रही है।

परीक्षा के तनाव को कम करने पीएम मोदी ने दिए टिप्स

अंडा। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विनायकपुर में परीक्षा पे चर्चा 10 फरवरी 2025 कार्यक्रम किया गया। प्राचार्य मंजीत सिंह राजपूत के निर्देशानुसार शैलेंद्र साहू व प्रेमलता योगी ने लैपटॉप व प्रोजेक्टर के माध्यम से कार्यक्रम को चालू किये, जिसको सभी ने ध्यानपूर्वक देखे। प्रधानमंत्री नरेंद्री मोदी ने बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले देशभर के स्टूडेंट्स को आज परीक्षा के तनाव को कम करने के टिप्स दे रहे हैं। इस कार्यक्रम के जरिए स्टूडेंट्स को पीएम मोदी संबोधित कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि जितना ज्यादा आप लिखेंगे उतनी ज्यादा शार्पनेस आएगी। परीक्षा कक्ष में कोई अन्य छात्र कितनी स्पीड से लिख रहा है, अगल-बगल में कौन क्या कर रहा है वे सब छोड़कर खुद पर भरोसा रखें। दबाव पर हमें अपने तरीके से जीत हासिल करनी है, ये संकल्प करना है। पीएम मोदी ने कहा कि परीक्षा के तनाव को परिवार और टीचर दोनों मिलकर एड्रेस करें। पीएम मोदी ने कहा कि परीक्षा के दौरान अपना ध्यान केंद्रित करें और परीक्षा की तैयारी पहले से करें। परीक्षा के लिए लिखने की आदत डालनी चाहिए. अपनी नोटबुक के अंदर खुद लिखें और उसे बार-बार पढ़ें. जिससे आपको लिखने की आदत हो जाएगी।

युवाओं को भी भगवान श्रीराम की कथा से प्रेरणा लेकर माता-पिता की आज्ञा का पालन करने का संकल्प लेना चाहिएः धीरेन्द्र महाराज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंडा

- धनोरा में मां शतचंडी यज्ञ व श्रीराम कथा का किया जा रहा आयोजन

बाबा दरबार पावन धाम एवं समस्त ग्रामवासी धनोरा दुर्ग के विशेष सहयोग से मां शतचंडी यज्ञ एवं श्री राम कथा का आयोजन किया जा रहा है जिसमें हजारों भक्तों ने कथा का रसपान कर अपने जीवन को कृतार्थ कर रहे हैं। दरबार के लक्ष्मण बाबा ने बताया कि सुबह शाम यज्ञ स्थल में परिक्रमा कर रहे हैं। यह आयोजन 4 फरवरी से 12 फरवरी तक निरंतर चलेगा।

यज्ञ हवन से वायु शुद्ध होता है, परिक्रमा करने से सारे संकट दूर होती है एवं मनोकामनाएं पूरी होती है। यह यज्ञ पंडित दीपक पाण्डेय के सानिध्य में बनारस से पधारे विद्वान पंडितों के द्वारा मंत्र की करतल ध्वनि के साथ किया जा रहा है। आगे बताया कि कथावाचक जगतगुरु रामानंदाचार्य स्वामी धीरेंद्रचार्य महाराज चित्रकुट से पधारे जिनके मुखारविंद से कथा श्रवण करने रायपुर राजधानी से पधारे तारा सिंह चौहान, रचनाकार सुरेश ठाकुर, कबीर भजन कीर्तन कार पूर्णिमा साहू जस गायक एवं समस्त साथी गण का श्री राम गमछा एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं जगतगुरु धीरेन्द्र चार्य महाराज के हाथों चंद्रशेखर बंजारे, रुलेशवरी बंजारे, वासुदेव सप्रे आदि गणमान्य नागरिक ने चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। आगे कथा मे जगतगुरु ने बताया कि श्री राम के राज तिलक से वनवास की सुंदर कथा श्रोताओं को सुनाई। उन्होंने प्रभु श्री राम के बड़े होने के दायित्वों और पिता की आज्ञा पालन के प्रसंग से युवा श्रोताओं को सीख दीए। उन्होंने बताया कि प्रभु श्री राम दशरथ के चार पुत्र में सबसे बड़े पुत्र थे।

श्रीराम अपने पीता की हर बात का पालन करते थे चारों भाइयों में सबसे बड़े होने के नाते राम को राजपाठ का भी बहुत ज्ञान था। हर समय अपने पिता दशरथ का हाथ बटाते थे। जैसे-जैसे प्रभु राम बड़े हुए तो दशरथ के मन में एक ही बात थी कि मैं अपने जीते जीते राम को अयोध्या का राजा बनाकर राजतिलक कर दूं। राजा दशरथ ने अपने राज्य में युवराज राम को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर दिया। पूरे अयोध्या नगरी प्रभु श्री राम के राजतिलक को उतावली थी, इसी बीच माता कैकेई ने राजा दशरथ से वरदान मांगी और श्री राम को बनवास भेजने व भरत का राज तिलक करने की बात कही। जैसे ही राजमहल से निकल दरबार में आए तो उन्होंने राज तिलक के स्थान पर प्रभु श्री राम को 14 वर्ष का वनवास दे दिया। महाराज ने बताया कि श्री राम बिना कुछ सवाल किए अपने पिता राजा दशरथ की बातों को सुन वनवास के लिए जाने लगे। इसी बीच माता सीता और भाई लक्ष्मण भी उनके साथ वनवास के लिए निकल गए अपने युवराज को वनवास जाता देख पूरी अयोध्या उनके साथ वन में जाने तैयार थी, लेकिन श्री राम ने अपने पिता के वचन का मान रखते हुए सभी को समझाया और वचन पालन के लिए 14 वर्ष के वनवास के लिए निकल पड़े। स्वामी ने कहा कि आज के युवाओं को भी प्रभु श्री राम की कथा से प्रेरणा लेते हुए माता-पिता की आज्ञा का पालन करने का संकल्प लेना चाहिए । उन्होंने कहा कि कलयुग के बच्चे माता-पिता की बातों को सुनना तो दूर उन्हें ही वनवास वृद्धाश्रम भेज रहे हैं। जहां भी यज्ञ हवन कथा हो तो हमें जरूर दान, धर्म करना चाहिए एवं कथा श्रवण जरुर करना चाहिए न कि विध्वंस करने की सोचना चाहिए।

बिजनेस साइट

बंदर ने हमला कर किया घायल, हाइटेक पहुंचा मरीज

भिलाई। एक 55 वर्षीय व्यक्ति बंदर के हमले में घायल हो गए। वे टहलने के लिए बाहर आए तो पेड़ से कूदकर एक बंदर उनके कंधे पर आ बैठा। उन्होंने हड़बड़ाकर उसे झटका तो जाते-जाते बंदर उसे घायल कर गया, वह नीचे गिर पड़े। जब उन्हें हाइटेक लाया गया तो उनकी हालत बहुत खराब थी। उनका बीपी 70/30 चल रहा था। डॉ. अपूर्व वर्मा ने बताया कि मूलतः महाराष्ट्र निवासी यह व्यक्ति अपने बेटी-दामाद के यहां बालोद आया हुआ था, वो हाल ही में नाना बने हैं। पास खड़ी महिलाओं की चीख पुकार सुनकर घर वाले बाहर आए और उन्हें तुरंत पास के दवाखाने ले गए। वहां मरहम पट्टी कर उन्हें एंटी रेबीज का इंजेक्शन दिया गया। इसके बाद उसे लेकर घरवाले भिलाई के लिए रवाना हुए पर गुण्डरदेही पहुंचते तक खून से उनकी कमीज लाल हो गई। गुण्डरदेही के दवाखाने में उसे टांके लगाए गए और जल्द से जल्द हायर सेन्टर रिफर कर दिया गया। देर शाम मरीज हाइटेक पहुंचा। तब उनकी नब्ज बहुत धीमी चल रही थी। बीपी 70/30 हो गया था, मरीज शॉक की स्थिति में था। प्रारंभिक जांच के बाद मरीज को ओटी में लिया गया, टांके खोलने पर पता चला कि रक्त पहुंचाने वाली दो नसों के साथ ही लार ग्रंथि भी कट गई थी। इसके कारण भीतर ही भीतर रक्त बह रहा था। हमले में गाल का 10-11 सेंटीमीटर हिस्सा कटकर लटक गया था। उसे भी ठीक प्रकार से बंद किया गया। कुछ ही घंटों में मरीज का बीपी ठीक हो गया। आज मरीज हंसने बोलने लगा है, एक दो दिन बाद उसे छुट्टी दे दी जाएगी।

आम सूचना

एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं अपने पक्षकारगण भागवत जांगड़े पिता शिव प्रसाद जांगड़े, 2. दशरथ जांगड़े पिता शिव प्रसाद जांगड़े, दोनो निवासी-सत्यानगर, कुगदा, जिला-दुर्ग एवं श्रीमती दीपमाला टंडन पति सुरेश कुमार टंडन सत्यानामी पारा बोरसी, ज्योति बंजारे पति भूपेन्द्र बंजारे कुम्हार पारा सुपेला एवं धर्मेन्द्र सोनी आ. गजानंद सोनी शांतिनगर सुपेला, रमेश देवांगन पिता कार्तिकराम देवांगन संजय नगर सुपेला, जिला दुर्ग के मध्य मेरे पक्षकारगण के स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि मौजा ग्राम-मोंहदी खसरा नंबर-423 का भाग रकबा 1 हेक्टेयर पटवारी हल्का नंबर-42 राजस्व व निरीक्षक मंडल अहिवारा का दिनांक-06.12.2023 को विक्रय इकरारनामा तैयार किया गया था इकरारनामा की कंडिका क्रं. 07 के अनुसार उक्त भूमि की रजिस्ट्री इकरारनामा दिनांक से 05 माह के अंतर्गत नहीं होती है तो उक्त सौदा निरस्त माना जावेगा। इस प्रकार क्रेता के द्वारा संविदा भंग किये जाने के कारण उक्त विक्रय सौदा निरस्त कर दिया गया है। जिसकी सूचना मेरे पक्षकारगण के द्वारा अपने अधिवक्ता के माध्यम से क्रेता पक्षकारगण के अधिवक्ता को एवं क्रेता पक्षकारगण को प्रेषित की गई है। अब मेरा पक्षकार अपने स्वामित्व एवं अधिकार से मुक्त है एवं उपरोक्त भूमि को किसी अन्य व्यक्ति को विक्रय करने के लिये स्वतंत्र है।

सो सूचना जाने।

दुर्ग, दिनांक 10/02/2025

भवदीय
अजय शर्मा
जिला न्यायालय दुर्ग (छ.ग.)
मो.नंबर-9630278783

मैत्रीबाग की विस्तार योजना अधूरी, जवाहर उद्यान तक होना था एक्सपांशन

अब तक नहीं हुई वन्य प्राणियों की शिफ्टिंग, वृद्ध और बच्चों के लिए चलनी थी बैटरीचलित गाड़ियां

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिलाई

मैत्रीबाग चिड़ियाघर के विस्तार की योजना दस साल से अधूरी पड़ी है। इसके चलते न तो जू अधिक आकर्षक बन पा रहा है और न ही पर्यटकों को अन्य चिड़ियाघरों की तरह सुविधाएं मिल पा रही हैं। इस मामले में नगर सेवाएं और उद्यानिकी विभाग सुस्त बने हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि बीएसपी प्रबंधन द्वारा वर्ष 2012-13 में मैत्रीबाग के विस्तार की योजना बनाई गई थी। इसके तहत मैत्रीबाग का विस्तार जवाहर उद्यान तक किया जाना था। जवाहर उद्यान को आकर्षक बनाकर यहां वन्य प्राणियों के कैज की शिफ्टिंग होनी थी। योजना के तहत 2014 में जवाहर उद्यान की सफाई कर यहां नारियल आदि के पौधे लगाकर पौंड भी बनाया गया था। तत्कालीन बीएसपी के सीईओ चंद्रशेखरन ने यहां पौधे भी लगाए थे। मैत्रीबाग के पीछे गेट और सड़क भी बनाई गई। लेकिन इसके बाद आगे का काम आधा अधूरा पड़ा है। अब तक न तो मैत्रीबाग के जानवरों के कैज जवाहर उद्यान में शिफ्ट किए गए हैं और न ही इस उद्यान को आकर्षक ही बनाया गया है। मैत्रीबाग से जवाहर उद्यान तक बैटरी चलित गाड़ियों के संचालन की भी योजना थी, जिसमें वृद्ध पर्यटक, महिलाएं और बच्चे घूमते हुए वन्य प्राणियों का नजारा ले सकते थे। लेकिन अब तक इन गाड़ियों का भी संचालन शुरु नहीं किया गया है।

अधिकतर हैं वृद्ध व सिंगल वन्य प्राणी

मैत्रीबाग में वन्य प्राणियों का आकर्षण अब सिमटत जा रहा है। इसकी वजह यहां नए देशी और विदेशी आकर्षक वन्य प्राणियों को नहीं लाया जाना है। पिछले कई साल से जू में अन्य चिड़ियाघरों से नए जानवर नहीं लाने से पर्यटक पुराने वन्य प्राणी देखकर बोझिल हो चुके हैं। बीस साल पहले मैत्रीबाग में जितने जानवर और पक्षी थे, उससे अब आधे रह गए हैं। कई जानवर व परिंदे बूढ़े और सिगल हैं। इनके मरने के बाद पिंजरे खाली हो जाएंगे। जू में जानवरों की तुलना में पक्षी अधिक हैं। पर्यटकों ने जल्द नए और आकर्षक तथा विदेशी वन्य प्राणियों को लाए जाने की मांग की है, ताकि जू की रौनक बढ़े।

खबर संक्षेप

बुनियादी सुविधाओं के लिए तरसीं श्रमिक बस्तियां

भिलाई। औद्योकिग क्षेत्र की उपेक्षा की कीमत श्रमिक बस्तियों को लोगों को चुकानी पड़ रही है। बस्तियों को दोतरफा समस्या हो रही है। कई निगम से शिकायत करने के बाद भी कोई ध्यान नहीं दिया जा रही है। इससे बस्तीवासियों में असंतोष बढ़ रहा है। स्लम के सीने पर तने बड़े बड़े उद्योग सोशल रिस्पांसबिलिटी को लेकर पूरी तरह उदासनी है। निगम भी अकर्मण्य बना हुआ है । छत्तीसगढ़ के दूसरे सबसे बड़े औद्योगिक क्षेत्र में उद्योगों से बदतर श्रमिक बस्तियों की है। श्रमिक बस्ती हथखोज, छावनी, जामुल और एसीसी के पीछे की बस्ती आदि बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रही हैं। क्षेत्रवासियों ने बताया कि केमिकल और अन्य उद्योगों का प्रदूषित पानी, कचरा, धुआं और डस्ट कच्चे और झुग्गी बस्तियों को बीमारियां परोस रहा है। हथखोज में घरों के सामने सीवरेज और खटालों का भी पानी गंदगी और बदबू फैला रहा है । इससे घरों लोगों को रहना दुश्वार हो गया है। कई लोग संक्रामक बीमारियों का शिकार हो रहो हैं। कलेक्टर से लेकर कमिश्नर तक कई बार शिकायत करने के बाद भी न तो प्रदूषण और गंदगी की समस्या का निदान हो रहा है और न ही कार्रवाई हो रही है। वहीं औद्योगिक क्षेत्र हथखोज की मुख्य सड़क और सहायक सड़कें कच्ची और गड्ढों से भरी हैं। ट्रांसपोर्ट नगर से हथखोज जाने वाली सड़क पर दिनभर भारी वाहन दौड़ते रहते हैं। धूल से घरों में गर्त जम गई है। यहां सड़कों, नालियों और पेजयल सफाई की समस्या बनी हुई है। क्षेत्रवासियों ने बताया कि नंदिनी जाने वाली रेल लाइन फाटक पर अब तक ओवर ब्रिज नहीं बनाने से जाम और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

टाटा लाइन तिराहा में दुर्घटना का अंदेशा

भिलाई। राम नगर से कोहका जाने वाले व्यस्ततम मार्ग पर जाम के हालात से लोगों को परेशानी हो रही है। अवंतीबाई चौक के निकट टाटा लाइन तिराहे पर दोनों ओर गड्ढा होने से सदैव दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। यहां स्ट्रीट लाईट भी खराब होने से शाम होते ही अंधेरा से आने जाने वाले लोगों को परेशानी हो रही है। क्षेत्रवासियों ने बताया कि व्यस्ततम अंवतीबाई चौक से रूंगटा कॉलेज, जेवरा सिरसा, लक्ष्मीनगर तथा कातुलबोर्ड की ओर मार्ग जाते हैं। इस कारण सदैव जाम के हालात बनते रहते हैं। निकट ही टाटा लाइन तिराहा है। यहां अंधेरे और गड्ढे की शिकायत के बाद भी नगर निगम द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसके पहले छिटपुट दुर्घटनाएं और लूट की घटनाएं हो चुकी हैं।

चिकित्सकों व पैरामेडिकल स्टाफ की भारी कमी, मरीजों को हो रही परेशानी

सेक्टर नौ जेएलएन हास्पिटल बना रेफरल सेंटर

दर्जनभर विभागों में नहीं हैं विशेषज्ञ चिकित्सक

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिलाई

आउटसोर्स पर टिका ह्दय रोग विभाग, निजी अस्पतालों में रिफर होने मजबूर

खास बातें

- पिछले 10 साल के दौरान आधे से कम रह गया स्टाफ
- मनोरोग विभाग भी सिमटा, कर्मियों को हो रही परेशानी
- ओए और यूनियनों की मांग पर नहीं हो रही सुनवाई, बेहतर हो व्यवस्था

भिलाई इस्पात संयंत्र के पं. जवाहरलाल नेहरु चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र सेंक्टर नौ हास्पिटल के सिमटने का खामियाजा शहरवासियों को भुगतना पड़ रहा है। डेढ़ दो दशक पूर्व सेंट्रल इंडिया का सबसे बड़ा और उम्दा अस्पताल चौतरफा समस्याओं से जूझ रहा है। प्रबंधन की उदासीनता से यह हास्पिटल आज एक रेफरल सेंटर बनकर रह गया है। इसकी सबसे अधिक कीमत इलाज कराने वाले बीएसपी कर्मियों को चुकानी पड़ रही है।

उल्लेखनीय है कि दो दशक पूर्व तक एक हजार बिस्तर क्षमता वाले सेक्टर नौ हास्पिटल की पहचान न सिर्फ मध्य भारत के बड़े अस्पताल में प्रमुख और संजीवनी के रुप में थी। विशेषज्ञ चिकित्सकों, मेडिकल स्टाफस, संसाधन, चिकित्सा उपकरण, इलाज की गुणवत्ता और अनुसंधान आदि के मामले में सेल के साथ देश में मुख्य अस्तालों में थी। लेकिन धीरे धीरे आज यह हास्पिटल सभी क्षेत्रों में अपनी पहचान खो रहा है। अस्पताल में मशीनें और उपकरण तो तो ए ग्रेड के हैं लेकिन आज इनका उपयोग करने वाले मेडिकल विशेषज्ञों का टोटा बना हुआ है। डाक्टरों, विशेषज्ञ चिकित्सकों, मैरामेडिकल स्टाफ,दवाईयों, संसाधनों, इलाज की गुणत्ता आदि सभी क्षेत्रों में गिरावट आ रही है। पिछले दस साल के दौरान अनेक अनुभवी डांक्टरों, विशेषज्ञों, नर्सों, लेब टेक्निशियनों के रिटायर होने के बाद भर्ती नहीं होने से मरीजों को भारी परेशानी हो रही है। यूनियनों के मुताबिक अस्पताल में कार्डियोलाजिस्ट, न्यूरो फिजिशियन, न्यूक्लियर मेडिसिन, रेडियोलाजी व पैथालाजी के विशेषज्ञों व चिकित्सक नहीं हैं या भारी कमी है। इसके चलते हर माह पचासों मरीजों को ग्रीन कारिडोर बनाकर रायपुर या साउथ के निजी अस्पतालों में रिफर किया जा रहा है।

कार्डियक विभाग भी आउटसोर्स पर

जेएलएन अस्पताल में दर्जनभर विभागों के विशेषज्ञ चिकित्सक नहीं होने से इलाज कराने वाले गंभीर मरीजों, जिनमें अधिकतर बीएसपी के लोग भी शामिल हैं, भारी परेशानी हो रही है। मरीजों ने बताया कि सबसे अधिक कार्डियक डिपार्ट वीक होने से हो रही है। प्रबंधन ने रामकृष्ण हास्पिटल से 3 डाक्टर व दिल्ली से एक कार्डियोलाजिस्ट आउटसोर्स पर हायर किया है। कार्डिलाजिस्ट महीने में दो तीन दिन ही सेवाएं देते हैं। वहीं रामकृष्ण अस्पताल रायपुर के डाक्टर समय पर नहीं आने से मरीजों के ओपीडी में लंबा इंतजार करना होता है। कार्डियोलाजिस्ट नहीं होने से गंभीर मरीजों को डाक्टर रामकृष्ण या अन्य निजी अस्पताल में रिफर होने की सलाह देते हैं। रात में सिर्फ मेडिसिन के ही डाक्टर आईसीयू में होते हैं । ऐसे में अस्पताल आने वाले गंभीर मरीजों को अन्य अस्पताल ले जाने बेहद जोखिमभरा होता है।

वर्कलोड से बढ़ रही गुणवत्ता की चुनौती

उल्लेखनीय है कि पिछले दस साल के दौरान जेएलएन अस्पताल में डाक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी को दूर कर व्यवस्था सुधारने की मांग कई बार आफिसर्स एसोसिएशन, श्रमिक संगठन और राजनीतिक दल प्रबंधन और इस्पात मंत्रियों से कर चुके हैं, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। ओए ने तो अस्पताल के सामने धरना प्रदर्शन तक किया लेकिन परिणाम शिफर है। पिछले 15 साल में डाक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ आधे से भी कम रह गया है। इससे स्टाफ पर कितना अधिक वर्कलोड होगा इसकी कल्पना की जा सकती है। बीएमएस, सीटू, एटक, इंटक और एचएमएस ने जेलएलएन अस्पताल में डाक्टरों व पैरामेडिकल स्टाफ की कमी को दूर करने व्यवस्था सुधारने की मांग स्थानीय व सेल प्रबंधन तथा इस्पात मंत्री से की है।

फ्लाईओवर और अंडरब्रिज सालभर में ही दम तोड़ने लगे, हो रही दिक्कतें

भिलाई। शहर में बने चारों ओवरब्रिज और अंडरब्रिजों की निर्माण के साल भर में ही कलई खुलनी लगी है। सड़कें उखड़ने और गड्ठों से वाहन चालकों को परेशानी हो रही है। नेहरु नगर ओवरब्रिज और अंडरब्रिज सहित सुपेला व चंद्रामौर्या फ्लाईओवरों का उद्घाटन हुआ अभी मुश्किल से सालभर हुआ है। लेकिन यह ब्रिज अभी से समस्या पैदा करने लगे हैं। नेहरु नगर चौक ओवर ब्रिज और अंडरब्रिज दोनों ही वाहनचालकों की परेशानी का कारण बने हुए हैं। ओवरब्रिज की सड़क का कांक्रीट जगह जगह से उखड़ गया है। जगह जगह गड्ढे हो गए हैं। इससे दोपहिया व कारचालकों को धक्के लगने से परेशानी होती है। दोपहिया के स्लिप होने से छिटपुट दुर्घटनाएं भी हो ही है। इसी तरह नीचे अंडरब्रिज भी सुपेला अंडरब्रिज की तरह जवाब देने लगा है। अंडरब्रिज की सड़क उखड़ने और बीच बीच में नालीनुमा गड्ढों से दोपहिया चालकों को वाहन चलाने में दिक्कत हो रही है। अंडरब्रिज में अंधेरा भी रहता है इससे भी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। स्कूल और ड्यूटी टाइम में भारी ट्रैफिक होता है। वही सुपेला अंडरब्रिज की तरह सीपेज भी होता रहता है। नीचे नाली का पानी बहने से स्लिप होने की समस्या बनी रहती है।

जर्क होती हैं गाड़ियां

सुपेला, चंद्रामौर्या और पावरहाउस में सालभर पूर्व तीन फ्लाईओवरों का निर्माण पूर्ण हुआ था। उद्घाटन के बाद लोगों को उम्मीद थी कि भूतल परिवहन विभाग के दावे के मुताबिक गुणवत्ता होगी। लेकिन इस फ्लाईओवर की भी सड़क उखड़ने लगी है। वहीं फ्लाईओवर के बीच बीच में स्लैब की नालीनुमा कटिंग समतल या स्पंज नहीं लगाने से वाहन जर्क होते हैं। जानकारों के मुताबिक मुंबई, बैंगलुरु व दिल्ली आदि शहरों में बने फ्लाईओवरों की सड़क पूरी समतल है । कही भी कटिंग नही है। यहां स्लैबों व गर्डर के बीच में सड़क पर बीच बीच में कटिंग होने से दोपहिया,कार या एंबुलेंस आदि जर्क होती है। इससे लोगों को कमर या स्पाइनल का दर्द की शिकायत हो रही है। एंबुलेंस के गंभीर मरीजों के लिए भी यह जोखिमदायक हैं।

कीर्तिमानी उत्पादन करने के बाद भी कर्मचारियों की नहीं बढ़ रही प्रोत्साहन राशि, बढ़ा असंतोष

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र में पसीना बहाकर कीर्तिमानी उत्पादन करने के बाद भी कर्मियों को इसके अनुरुप प्रोत्साहन राशि नहीं मिल रही है। वर्षों पुरानी इंसेटिव योजना में बदलाव नहीं होने से कर्मियों को हजारों रुपए का नुकसान हो रहा है। यूनियनों ने बेहतर स्कीम बनाने के लिए प्रबंधन पर दबाव बनाना शुरु कर दिया है।

- यूनियनों ने प्रबंधन पर दबाव बनाना शुरु की

उल्लेखनीय है कि भिलाई इस्पात संयंत्र में 35 वर्ष पुरानी इंसेंटिव स्कीम चल रही है । 1225 रुपए पोटेंशियल के साथ इंसेंटिव स्कीम शुरू की गई । इसमें सन 1991 में एपीआरएस के तहत 400 रुपए, सन 1999 में एक्यूआरएस के तहत 360 रुपए, सन 2001 में एपीओएस के तहत 480 रुपए, एवं सन 2004 में के पीएमएस तहत 460 रुपए जोड़ते हुए कुल 2925 रुपए पोटेंशियल की स्कीम लागू की गई है जो आज तक चल रही है । इससे कर्मचारियों को घाटा हो रहा है। यूनियनों ने की म पुराने इंसेंटिव स्कीम को बदले जाने की मांग की है। भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मचारियों का पे-पॉकेट बढ़ाने एवं उनका मनोबल ऊंचा रखने के लिए जल्द से जल्द इंसेंटिव स्कीम का रिवीजन किया जाए ।यहां के कर्मचारियों के लिए एक ऐसी इंसेंटिव स्कीम बनाई जाए जो व्यावहारिक हो एवं इसके तहत अधिक से अधिक कर्मचारियों को लाभ मिल सके।

महंगाई व उत्पादकता तीन गुना बढ़ी

पिछले तीस साल में महंगाई कई गुना बढ़ चुकी है उत्पादकता भी तीन गुना बढ़ गई है लेकिन कर्मियों को इंसेटिव राशि तीस साल पुराने दर पर मिल रही है। इससे उन्हें भारी नुकसान हो रहा है। इंटक व सीटू सहित सभी यूनियनों ने सेल प्रबंधन से इंसेटिव स्कीम को बदलकर सुधार की मांग की है। ताकि कर्मियों को लाभ मिल सके। जिस समय यह स्कीम लागू हुई थी उसकी तुलना में आज संयंत्र की लेबर प्रोडक्टिविटी 3 गुना बढ़ गई है।

धमधा थाना क्षेत्र की है घटना

घर में घुसकर हमला और चोरी करने वाला युवक गिरफ्त में

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिलाई

घर में घुसकर तीन अज्ञात युवकों ने महिला पर प्राणघतक हमला और बाइक चोरी करने के मामले में पुलिस ने दो अपचारी और एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने धारा 331, 109, 3(5) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज किया है। एएसपी अभिषेक झा ने बताया कि ग्राम तरकोरी धमधा निवासी नोहर दास कुर्रे ने शिकायत किया था कि तीन अज्ञात ने घर में घुसकर मां सिर पर प्राण घातक हमला कर उसे गंभीर रुप से घायल कर फरार हो गए थे। घटना 13 जनवरी की दोपहर की है। आरोपियों की तलाश के लिए धमधा पुलिस और एसीसीयू की टीम जुटी रही। इस दौरान त्रिनयन एप्प की मदद से पुलिस ने घटना स्थल के आस–पास और 150 सीसी कैमरों को खंगालाना शुरु किया। फूटेज में पुलिस को तीन संदिग्ध किस्म के युवक बाइक में दिख रहे थे। फूटेज को लेकर पुलिस खोजबीन किया। मुखबिर की सूचना पर तकनीकी मदद से पुराने चोर बदमाश की जानकारी जुटाई गई। 30 से 40 गॉव के कोटवार को फूटेज भी दिखाया गया। हुलिया एक अपचारी बपालक का शिनाख्त हुआ। बालक को पकडकर पूछताछ करने पर बताया कि घटना को दोस्त ग्राम बिजेतला घुमका निवासी दीनदयाल वर्मा के साथ मिलकर अंजाम देना स्वीकार किया। दो अपचारी बालक और युवक को घेराबंदी कर पकड़ा गया। आरोपियों ने ग्राम लिटिया संत बाबा का मेला लगा था। जहॉ से बाइक चोरी करना भी स्वीकार किया है। आरोपियों के निशानदेही पर 10 ग्राम सोना, 900 ग्राम चांदी, बाइक और नगदी 52 हजार जब्त किया गया है। साथ ही घटना में इस्तेमाल किए गए बाइक भी बरामद किया गया है। उक्त सामानों की कीमत 2 लाख 65 हजार आंकी गई है।

चरोदा, खुर्सीपार, कैम्प, जामुल में बेखौफ कारोबार

पीडीएस चावल की तस्करी जिले के लिए बना नासूर

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिलाई

गरीबों के पीडीएस चावल की तस्करी करने वाले कोचियों और राशन दुकानों पर जिले के खाद्य विभाग की इन दिनों मेहरबानी चल रही है। जिले में बेखौफ तरीके से पीडीएस चावल का कारोबार चल रहा है। राशन दुकान संचालको की मिलीभगत के चलते तस्करी जमकर जारी है। तस्करी को लेकर हरिभूमि ने लगातार खबर को प्रकाशित कर विभाग को आईना दिखाने का प्रयास किया है। लेकिन खाद्य विभाग की सांठगांठ से जिले में बेखौफ तस्करी जारी है। पीडीएस चावल की तस्करी दादर के राशन दुकान का भी मेहरबानी कर बैठा है। मिली जानकारी के मुताबिक खुर्सीपार क्षेत्र में मोपेड से चावल का सेल्समेन का काम करने वाला त्रिदेवी अपना अवैध कारोबार बेखौफ तरीके से फैला रखा है। खबर प्रकाशित होने के बाद अब यह तस्करी रात के अंधेरे में करने लगे है। इसमें छुटभैया बंटी का बड़ा रोल है इसके संरक्षण में खुर्सीपार समेत आसपास के क्षेत्र में पीडीएस चावल का बड़ा कारोबार चल रहा है।

पीडीएस चावल की तस्करी, रोजाना खप रहा है सौ टन से अधिक

पीडीएस तस्करी के अवैध कारोबार जिले में इतना बढ चुका है कि गरीबो को चावल तक मिलने मुश्किल हो गया है। खुर्सीपार में त्रिदेवी तो जी केबिन का सानू चरोदा, कैंप नवीन सिग, सूरज कुमार साव साथ मिलकर साल भर से तस्करी करते आ रहें है। वैशाली नगर पुलिस ने हाल ही में सूरज कुमार साव का चॉवल जो आटो में लोड होकर निकला था। उसे तत्कालीन प्रभारी ममता अली शर्मा ने पड़ा था। बावजूद अब भी अपना कारोबार बंद करना छोड़ बेखौफ तरीके से कारोबार चला रहा है। पीडीएस चावल के तस्करी में छुटभैया बंटी वर्ष 2003 से इस कारोबार में घूसा हुआ है। इसके पास दर्जन भर से अधिक सरकारी राशन दुकान होने की जानकारी मिली है। लेकिन खाद्य विभाग में इसकी सेटिंग के चलते राशन दुकानों में सिर्फ मेहरबानी होती रही है।

सीएमओ तक हुई शिकायत

गरीबों के राशन पीडीएस की तस्करी को लेकर सीएमओ कार्यालय राययपुर में शिकायत हो गई है। इसके अलावा जिले के खाद्य विभाग की सारी कुंडलियों के बारे में मुख्यमंत्री को भी अवगत कराया जा चुका है। निकाय चुनाव के बाद त्रिदेवी, बंटी और खाद्य विभाग के तिकड़ी पर बड़ी गाज गिर सकती है। सूत्रों ने बताया कि पीडीएस चावल तस्करी को लेकर मुख्यमंत्री ने शिकायकर्ता को आश्वासन दिया है कि निकाय चुनाव के बाद इस पर बड़ी कार्रवाई होगी। इनके द्वारा कितने सालों से पीडीएस की तस्करी की जा रही है। हर राशन दुकानों का डाटा खंगाला जाएगा। साथ ही साथ खाद्य विभाग की लापरवाही और सेम्पल के रिपोर्ट की जांच की जा सकती है।

02

महिषासुर रूपी नक्सलवाद व आतंकवाद का देवी शक्ति से हो रहा अंतः पं. तिवारी

लाइव इवेंट

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर मृगया सम्मानित

दुर्ग। अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा पद्मभूषण नागारानी गाई दिन्ल्यू के जन्मदिन को नारी शक्ति दिवस के रूप में मनाया गया। दुर्ग-भिलाई महिला समिति ने यह आयोजन सरस्वती शिशु मंदिर, कसारीडीह में किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने की। मुख्य अतिथि डॉ. विनिता धुर्वे थी।

■ अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम द्वारा किया गया आयोजन

मिसरानी ग्रुप की फाउंडर मृगया किरोलीकर का शॉल, श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। मृगया लंबे समय से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम कर रही है। कई महिलाओं को उन्होंने रोजगार से जोड़ा है। उनके उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराया है। कार्यक्रम में विशिष्ट कार्य करने वाली अन्य महिलाएं भी सम्मानित की गईं। इस अवसर पर किरोलीकर ने बताया कि हाईजेनिक स्वच्छता से बने घर के भोजन, थाली, पापड़, मसाला, आचार, सूखे नाश्ता, ताजा नाश्ता, प्रांतीय भोजन, स्नैक्स आदि लोगों को अब ऑनलाइन मिसरानीस ब्रांड में उपलब्ध है। यह देश की अपनी तरह की पहली संस्था है, जिसे दुर्ग-भिलाई से शुरू किया गया है। महिलाओं के पास खाना पकाने का कौशल है, लेकिन इसे पेशेवर रूप से देने के लिए कोई मंच नहीं था। ऐसी महिलाओं को प्रोफेशनल मंच प्रदान करने का काम हमने किया। हमारी कुल आबादी में आधी आबादी महिलाओं की है। यानी लगभग 65 करोड़, अगर हम उनमें से 30 प्रतिशत को भी कामकाजी आबादी मानते हैं, तो भी 70 प्रतिशत महिलाएं होंगी, जो पेशेवर रूप से काम नहीं कर रही होंगी। ऐसी आबादी को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने पर अंततः हमारी भारतीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिल सकता है, क्योंकि वे मुख्य कामकाजी धारा में आ जाते हैं।

दुर्ग में बने अचार, पापड़ और लड्डु की सप्लाई इंग्लैंड और अमेरिका जैसे देशों में हो रही

किरोलीकर ने बताया कि दुर्ग में बने अचार, पापड़ और लड्डू की सप्लाई इंग्लैंड में भी हो रही है। पारंपरिक व्यंजनों को खूब पसंद किया जा रहा है। मिसरानी विभिन्न प्रांतों के लुप्त होते घर के बने शुद्ध और पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद न केवल ट्विनसिटी व देश के हर कोने तक पहुंच रहा है, बल्कि इनके फूड प्रोडक्ट्स डिमांड इंग्लैंड, अमेरिका सहित अन्य देशों में बसे प्रवासी भारतीयों तक भी है। घरों में बनाए जाने वाले अलग-अलग तरह के खाद्य उत्पादों के निर्माण को प्रोत्साहित और प्रचारित भी किया जा रहा है। मृगया कहती हैं कि महिलाओं के पास पाक कौशल है, लेकिन उसे पेशेवर रूप देने के लिए कोई प्लेटफॉर्म नहीं था। इसको देखते हुए उन्होंने सालभर पहले इसकी शुरुआत की गई।

सिटी इवेंट

साइकिलिंग को प्रोत्साहित करने अभियान, देंगे शहर-शहर संदेश

भिलाई। साइकिल चलाने वाला वैश्विक योद्धा है, जिसके कारण पर्यावरण प्रदूषित नहीं होता। हर व्यक्ति को साइकिल चलाना चाहिए और सप्ताह में कम से कम एक दिन अपने आफिस इससे जाना चाहिए। लोगों में साइकिल के प्रति जनजागरूकता जगाने और उन्हें वैश्विक पर्सनॉलिटी का दर्जा दिलाने के लिए साइकिलिस्ट ग्लोबल वारियर आंदोलन की शुरुआत की गई। इस दौरान प्रख्यात मॉडर्न आर्ट चित्रकार डी.एस.विद्यार्थी, विजय शर्मा, प्रकाश बंछोर, मोहित मंडावी, प्रवीण कालमेघ, भूपत राव बोरकर, हरीश देवांगन, यश दलवी, कांता देवी तथा ललित कला अकादमी, नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ से प्रथम बोर्ड मेम्बर डॉ. अंकुश देवांगन मौजूद थे। सिविक सेंटर कृष्ण अर्जुन रथ परिसर में डीएस विद्यार्थी ने नारियल फोड़कर इस वैश्विक अभियान की शुरुआत की। प्रकाश बंछोर ने साइकिल से होने वाले शारीरिक स्वस्थता के अपने अनुभव को साझा किया। साइकिल से लेह लद्दाख की यात्रा करने वाले प्रवीण कालमेघ ने भी अपने संस्मरण सुनाए। समाजसेवी विजय शर्मा ने कहा कि आज पूरी दुनिया भीषण प्रदूषण की चपेट में है जिसके कारण हर मौसम-बेमौसम होता जा रहा है। दिल्ली में पिछले साल 53 डिग्री तापमान पहुंच चुका है और दुनिया के हर क्षेत्र मे पर्यावरण गड़बड़ाया है इसलिए साईकिल चलाना जरूरी है। चित्रकार भूपत राव बोरकर और हरीश देवांगन ने बताया कि कोरोनाकाल में स्वच्छ वातावरण के कारण हिमालय पर्वत की चोटियां भी 100-150 किलोमीटर दूर से दिखाई देती थी। कार्यक्रम संयोजक डॉ. अंकुश देवांगन ने साइकिलिस्ट ग्लोबल वारियर आंदोलन को न सिर्फ राज्य वरन देश दुनिया में फैलाने की बात करते हुए कहा कि विगत दशकों में हमने एक ऐसे समाज का निर्माण किया है, जहां साइकिल चलाने वाले को हेय दृष्टि से देखा जाता है। उसे कंजूस और निम्न तबके का समझा जाता है। यह धारणा बदलनी चाहिए। इसे लेकर यह अभियान शुरू किया गया है।

■ अर्जुन रथ सिविक सेंटर से अभियान की शुरुआत, कला से जुड़े लोग हुए शामिल

● संजय रूंगटा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस का कार्निवाल-2025, विधायक रिकेश सेन हुए शामिल

तीन दिन तक 46 खेल प्रतियोगिताएं और 26 सांस्कृतिक कार्यक्रम, अंतिम दिन देर रात तक गीत-संगीत की धूम

संजय रूंगटा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के तीन दिवसीय कार्निवाल-2025 का समापन हुआ। तीन दिनों तक चले इस इवेंट में 46 खेल प्रतियोगिताएं हुईं। 26 सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में वैशालीनगर के विधायक रिकेश सेन शामिल हुए। इस दौरान कॉलेज के स्टूडेंट्स देर रात तक गीत-संगीत, डांस में झूमते नजर आए। इस आयोजन में फ्यूजन बैंड काफिला ने लाइव परफॉरमेंस दिया। इसके अलावा सिंगर, कंपोजर एंड सांग राइटर मधुर शर्मा ने अपनी प्रस्तुति दी। तीन दिनों तक चले इस कार्यक्रम में संजय रूंगटा ग्रुप के चेयरमैन संजय रूंगटा प्रमुख रूप से मौजूद थे।

भिलाई। कॉर्निवाल-2025 में रूंगटा कॉलेज ऑफ डेंटल साइंस एंड रिसर्च, आरएसआर रूंगटा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, रूंगटा इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंस, रूंगटा कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, रूंगटा इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंस एंड रिसर्च, रूंगटा इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड मैनेजमेंट और रूंगटा प्राइवेट आईटीआई के छात्रों ने भाग लिया। एक इंटर इंस्टीट्यूट वार्षिक सांस्कृतिक और खेल उत्सव कार्निवल 2025 का आयोजन किया गया। खेल और सांस्कृतिक श्रेणियों के तहत विभिन्न कार्यक्रम में खेलकूद एवम सांस्कृतिक कार्यक्रमों के तहत कुल 72 कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। मुख्य रूप से क्रिकेट, वॉलीबॉल, थ्रोबॉल, कबड्डी, रस्साकशी, आर्म रेसलिंग, वेट लिफ्टिंग, ग्रुप एंड सोलो डांस, बैटल ऑफ डांस, अंताक्षरी, मास्टर शेफ, मेकओवर, रैप सॉन्ग, रील्स, फोटोग्राफी सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित किए गए। सबसे बहुप्रतीक्षित एवं चर्चित कार्यक्रम बैटल ऑफ डांस प्रतियोगिता रूंगटा इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस (आरआईपीएस) ने जीती। रूंगटा कार्निवल के सर्वश्रेष्ठ कॉलेज का ख़िताब रूंगटा कॉलेज ऑफ डेंटल साइंस एंड रिसर्च ने अर्जित किया।

प्रतिभा, खेल कौशल और रचनात्मकता का प्रदर्शन

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सबसे बड़े कॉलेज स्तर के उत्सवों में से एक रूंगटा कार्निवल प्रतिभा, खेल कौशल और रचनात्मक का एक प्रदर्शन है। प्रबंधन की ओर से इतने बड़े उत्सव के सफल आयोजन की प्रशंसा करते हुए उन्होंने छात्रों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा की स्टूडेंट्स के साथ साथ उन्हें भी रूंगटा कार्निवाल के होने का इंतजार रहता है। इस अवसर पर विशिथ अतिथि विधायक की पत्नी ऋचा सेन थीं। इस अवसर पर चेयरमैन संजय रूंगटा ने कहा कि सभी संस्थानों के बीच प्रतियोगिता इतनी करीबी थी कि विजेता संस्थान कौन होगा, यह बता पाना मुश्किल लग रहा था। डायरेक्टर डॉ. साकेत रूंगटा ने सभी प्रतिभागी संस्थानों को इस आयोजन को सफल बनाने के लिए बधाई दी।

सिक्योर कप क्रिकेट : दूसरे दिन खेले गए पांच मैच, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष भी पहुंचे मैच देखने

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट प्रीमियर लीग सेल सीकयोर कप टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड सेक्टर 1 में किया जा रहा है। सोमवार को प्रतियोगिता का दूसरा दिन था। विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडे भी प्रतियोगिता के मैच देखने पहुंचे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उनका स्वागत अविनाश वेगी, अभिषेक सिंह, उषाकर चौधरी, शैलेश वर्मा, रवि भुइया, दिलीप यादव ने किया। प्रतियोगिता के अंतर्गत पहला मैच रॉयल चैलेंजर्स और स्मैशस के बीच खेला गया। स्मैशेज ने 27 रन से यह मैच जीता। मैन ऑफ़ द मैच सुवेंदु और गेम चेंजर हिमांशु रहे। दूसरा मैच सीजी 11 और संडे 11 के बीच हुआ। संडे 11 ने 8 विकेट से मैच जीता। मैन ऑफ द मैच कपिल नायडू और गेम चेंजर निखिल रहे। तीसरा मैच फायर फॉक्स और स्नाइपर के बीच खेला गया। स्नाइपर ने 9 विकेट से यह मैच जीत लिया। मैन ऑफ द मैच संतु और गेम चेंजर अलंकार रहे। चौथा मैच रॉयल स्ट्राइकर और भिलाई बॉयज प्रणाम के बीच हुआ। भिलाई बॉयस ने 22 रन से मैच जीता। मैन ऑफ़ द मैच अभिषेक सिंह और गेम चेंजर अरुण यादव रहे। जीके लायंस और सीजी टाइगर्स के बीच खेले गए मैच में जीत जीके लायंस को मिली। मैन ऑफ़ द मैच शिवा और गेम चेंजर गौरव रहे। इन मैच के अंपायर राधेश्याम, हरिशंकर यादव, गुनेश्वर डहरिया, महेंद्र एमवी राव, भानु साहू, स्कोरर विनोद देवघरे एवं आशीष यादव थे। कॉमेंटेटर मनमद राव, अभय सुधाकर, महेश साहू, पिच क्यूरेटर आजाद अहमद थे।

परीक्षा पर चर्चा के निर्देश और सुझावों का पालन करने छात्रों ने लिया संकल्प

भिलाई। सोमवार को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम में स्कूली बच्चों से ऑनलाइन चर्चा की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्टूडेंट्स, पैरेंट्स और टीचर्स से बातचीत की। इस इवेंट का मकसद स्टूडेंट्स को एग्जाम स्ट्रेस से बचाना और उन्हें मोटिवेट करना है।कार्यक्रम को पंडित जवाहरलाल नेहरू स्कूल न्यू खुर्सीपार के विद्यार्थी भी जुड़े। प्राचार्य प्रीति गुप्ता के नेतृत्व में बच्चों ने प्रधानमंत्री के विचारों को सुना। प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों एवं सुझावों का पालन करने संकल्प लिया। कार्यक्रम को शाला के स्मार्ट रूम स्मार्ट टीवी द्वारा देखा गया। इस कार्यक्रम में शाला विकास समिती के सभी सदस्य, पालकगण एवं गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान रायपुर के मायाराम सुरजन स्कूल की छात्रा युक्तामुखी साहू ने परीक्षा पे चर्चा के दौरान मोदी से सवाल किया। दिए सुझाव का छात्रों ने अनुसरण करने संकल्प लिया।

देवांगन समाज कोहका मंडल ने हर्षोल्लास से मनाया परमेश्वरी महोत्सव

अपनी संस्कृति को सहेजना और संस्कार की रक्षा करते हुए समाज को आगे ले जाना हो प्राथमिकता

कार्नर न्यूज

भिलाई। देवांगन समाज कोहका मंडल के द्वारा परमेश्वरी भवन कोहका में परमेश्वरी महोत्सव एवं सम्मान समारोह का आयोजन हर्षोल्लास से संपन्न हुआ। विशिष्ट अतिथियों एवं प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। समारोह में प्रसिद्ध नाड़ी वैद्य एवं संत बिरेंद्र देशमुख का उनके योगदान के लिए सम्मान किया गया।

भक्ति के साथ खान-पान पर भी ध्यान रखना जरूरी

नाड़ी वैद्य एवं संत बिरेंद्र देशमुख ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमें भक्ति के साथ साथ अपने स्वास्थ्य को अच्छा बनाए रखने के लिए अपने खान-पान पर नियंत्रण रखना जरूरी है। आजकल के टाक्सिक भोजन के विशैलापन से बचने के लिए पुराने समय में उपयोग आने वाली फूलकांस के बर्तन में भोजन करना चाहिए। इससे चर्मरोग में लाभ मिलता है। अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन ने कहा ईष्ट देवी माता परमेश्वरी की छत्रछाया में देवांगन समाज फल-फूल रहा है। हमें अपनी संस्कृति एवं संस्कार की रक्षा करते हुए समाज को आगे ले जाना है। समाज के वरिष्ठ शंकरलाल देवांगन ने कहा कि हमारे पुरोधाओं ने कड़ी मेहनत और परिश्रम से समाज को संगठित किया है। उसे हमें बनाए रखते हुए मिल जुलकर आगे बढ़ना है। इस अवसर पर विधायक रिकेश सेन के प्रतिनिधि एडवोकेट प्रेमचंद देवांगन, देवांगन जन कल्याण समिति भिलाई के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन, सचिव विनोद देवांगन, वरिष्ठ भाजपा नेता शंकर लाल देवांगन, कुरूद मंडल अध्यक्ष श्रीराम देवांगन, वरिष्ठ पत्रकार टीएस पिपरिया, भिलाई निगम सभापति गिरवर बंटी साहू विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। प्रसिद्ध सांस्कृतिक संस्था रंग झरोखा के डायरेक्टर दुष्यंत हरमुख, प्रसिद्ध गायिका रिंकी देवांगन एवं उनकी टीम के द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम ने दर्शकों का मन मोह लिया। समाज द्वारा गायक एवं वादक सहित सभी कलाकारों का सम्मान किया गया।

सामाजिक एकजुटता जरूरी

एडवोकेट प्रेमचंद देवांगन ने कहा कि समाज के सर्वांगीण विकास के लिए सभी एकजुट होकर रहें।

प्रथम सत्र में दुर्ग जिला देवांगन समाज के अध्यक्ष पुरानिक राम देवांगन, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र लिमजे, कैम्प भिलाई मंडल अध्यक्ष भेदूराम देवांगन, संत माताजी, विशेष रूप से उपस्थित हुए। देवांगन समाज कोहका की अध्यक्ष श्रीमती तारा देवांगन, सचिव मुकेश देवांगन, कोषाध्यक्ष शैलेन्द्र देवांगन , महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष सीमा देवांगन, सचिव रीना देवांगन सहित पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों का शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया। महोत्सव की शुरुआत मां परमेश्वरी मंदिर में दीप प्रज्वलन, पूजा अर्चना एवं आरती से हुई। समाज की महिलाओं ने जसगीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन मनोज देवांगन ने किया।

सिटी इवेंट

संस्कृत व साहित्य शोध समिति मप्र ने डॉ. जमाल को किया सम्मानित

भिलाई। सांस्कृतिक और साहित्य शोध समिति मध्य प्रदेश द्वारा बालाघाट मे अंचल के साहित्यकार डॉ. रौनक जमाल का सम्मान किया गया। समिति द्वारा बालाघाट में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया था, जिसमें तीन सत्र आयोजित किये गये थे। जिसके प्रथम सत्र में मुख्य पुरस्कार प्रदान किये गये। प्रथम सत्र में डॉ. रौनक जमाल विशिष्ट अतिथि थे। प्रथम सत्र में समिति के पुस्तकालय का उद्‌घाटन भी रौनक जमाल द्वारा किया गया। डॉ रौनक ने भारत के दस लेखकों को पुरस्कार भी वितरण किया और दूसरे सत्र में उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित भी किया। कार्यक्रम के अंतिम तृतीय सत्र में शॉल, मोमेंटो, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर डॉ जमाल को सम्मानित किया गया। इस दौरान उनकी कविताओं को भी पसंद किया गया।

धर्म लाइव

श्री संकट मोचक मंदिर में स्थापित हुआ शिव परिवार, लिया आशीर्वाद

भिलाई। रिसाली के श्री संकट मोचक हनुमान मंदिर में शिव परिवार और राम भक्त हनुमान की प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर सहित अनेक गणमान्य लोग आयोजन में शामिल हुए और विधिवत पूजन कर भगवान से आर्शिवाद लिया।दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत प्रगति नगर, रिसाली में आयोजित श्री संकट मोचक हनुमान मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर सम्मिलित होकर महावीर हनुमान एवं भोलेनाथ शंकर की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। भक्तिभाव से पूजन-अर्चन कर आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया। इस दौरान उन्होंने दुर्ग ग्रामीण वासियों की समृद्धि, सुख-शांति एवं कल्याण की प्रार्थना की। इस अवसर पर प्रमुख रूप से वार्ड पार्षद धर्मेंद्र भगत, सांसद प्रतिनिधि दीपक पप्पू चंद्राकर, रिसाली मंडल पूर्व अध्यक्ष शैलेंद्र शेंडे, मंडल अध्यक्ष अनुपम साहू, राजू राकेश जंघेल, पार्षद मनीष कुमार यादव, विधि यादव, सोनूराम सिंह, श्रीकांत राहत गवाकर, मंजू लता पांडे, शिल प्रकाश, अनुपम गोस्वामी, मधु वंदना, गीता गुप्ता, पुष्प लता, विष्णु मिरा सिंह, सरस्वती देवी, रामानंद राय, विनोद कुमार वर्मा, सी के पारधी, महेंद्र बेगानी, रविंद्र भगत, राजेंद्र सिंगार, बीपी यदु, राम चरण साहू, रजज्वलि सोनी, खुशी राम सोनी, विशाल ठाकुर, संजय गुप्ता, एन.आर. बसरकर, ओम प्रकाश सिंह, संतोष मेहता, कमलेश सिंह, संतोष कुशवाहा, संजय शर्मा, शंकर पेरी, अमल पंजल, लोरिक, डी एन राणा, कंचन सिंह, धनेश्वरी ढालेंद्र, रमा साहू, नवीन ममता सिन्हा, गजेंद्री कोठारी, अनुपमा गोस्वामी, संध्या वर्मा, राजेश्वरी पसीने, पूनम सपहा सहित काफी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे और सभी ने भोग का प्रसाद ग्रहण किया।

लाइव इवेंट

पुराने टायर से बनाया गमला, कबाड़ से जुगाड़ बना आकर्षण का केन्द्र

भिलाई। घर, दुकान व फैक्ट्रियों सहित अन्य स्थानों से निकलने वाले बहुत से अनुपयोगी कचरों व वेस्ट सामानों से सजावाट के सामान कबाड़ से जुगाड़ भिलाई निगम द्वारा बनाए जा रहे है। कर्मचारियों ने बताया कि विभिन्न स्थानों से निकलने वाले वेस्ट मटेरियल जो अनावश्यक रूप से जगह घेरते है, ऐसे कचरो से सकारात्मक पहल करते हुए उपयोगी बनाया गया। शासन द्वारा इस प्रकार का अभियान चलाने के लिए निकायों को निर्देश मिला है। इसी तारतम्य में नगर निगम भिलाई क्षेत्र के उद्यानों, एस.एल.आर.एम. सेंटर, मुख्य कार्यालय में अनुपयोगी सामग्री को उपयोगी बनाया जा रहा है। जिसमें प्रमुख रूप से पुराने टायर से गमला, झुला, सोफा, पानी के बोतल से सजावटी सामान, पेन स्टेण्ड, झरना, गमले, खेल सामग्री, नारियल के खोल से झुमर, गमला, जुट के बोरे से झोला, पुराने जिंस से गमला, पुराने नल से साजावटी सामग्री इत्यादि बनाये जा रहे है। जो बहुत ही कम खर्च में आकर्षक दिखने लगते है, बस उसमे थोड़ा क्रियेटिव काम करना पड़ता है। इसका झूला काफी मजबूत एवं नर्म बनता है। भिलाई निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने इसका निरीक्षण भी किया। निगम द्वारा यह कबाड़ से जुगाड़ कुसुम कानन गार्डन, जीम गार्डन, भारत माता गार्डन, शंकरा उद्यान, एस.एल.आर.एम. सेंटर, कार्यालयों सहित विभिन्न जगहों पर उद्यान अधिकारी तिलेश्वर साहू, एसएलआरएम सेंटर समूह की महिलाओं द्वारा बनाया जा रहा है। जिसे एक बार देखने के बाद यह एहसास नहीं होता है कि यह वही कबाड़ था। जो इधर-उधर पड़े रहने से जगह घेरता था।

शांतिनिकेतन के तर्ज पर गीतवितान ने मनाया बसंत उत्सव

ओरे भाई फागून लेगेछे, आजी कमोलो मुकूलो दलो, रविंद्र संगीत पर नृत्य कर किया बसंत का स्वागत, दिखाया प्रकृति प्रेम

भिलाई। ओरे गृहवाशी खोल द्वार खोल,,,कमोलो मुकूलो दलो, ओरे भाई फागून लेगेछे,,, जैसे सुमधुर रवीन्द्र संगीत के माध्यम से मौसम का बखान नृत्य द्वारा करते हुए ऋतुराज बसंत का स्वागत रविंद्र कला से जुड़ें विद्यार्थियों ने किया। जहां बच्चें और बड़े सभी आयु वर्ग के सदस्यों ने गीत व संगीत के माध्यम से ऋतुओं के राजा बसंत के गीतों पर मनभावन नृत्य व संगीत की आकर्षक प्रस्तुति दी। स्कूल ऑफ परफार्मिक आटर्स गीत वितान कला केन्द्र रूआबांधा द्वारा शांति निकेतन की तर्ज पर वसंत उत्सव का आयोजन पायोनीयर मोन्यूमेंट के प्रांगण में किया गया।

ऑफिसर एसोसिएशन भिलाई इस्पात सयंत्र के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत डॉ रमेश कुमार सोनवणे कुलसचिव कामधेनू विश्वविद्यालय दुर्ग, परवीन्दर सिंह सचिव आफिसर एसोसिएशन, संरक्षक व्ही. के. मोहम्मद, सरसीज घोष, कला सहित्य अकादमी अध्यक्ष शक्ती चक्रवर्ती एवं संस्था के उपाध्यक्ष सोमेन कृण्डू द्वारा माता सरस्वती और गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के छाया चित्र पर माल्यापर्ण व दीप प्रज्जवलन कर की गई। संस्था के उपाध्यक्ष सोमेन कूण्डू ने स्वागत उद्बोधन करते कार्यक्रम का उद्देश्य बताया और उपस्थित सभी अतिथिओं को अंग वस्त्र एवं पुष्प गुच्छ से स्वागत व आभार व्यक्त किया।

नृत्य व संगीत की दी प्रस्तुति,की पदयात्रा

बंसत उत्सव कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वदंना गीत के माध्यम से की गई। गया। जिसमें विशेष वाद्य यंत्र के छात्र-छात्राओं ने प्रस्तुत किया। इसके बाद शांति निकेतन के बसंत उत्सव का अनुसरण करते हुए पदयात्रा के साथ ओरे गृहवाशी खोल द्वार खोल रवीन्द्र संगीत के साथ नृत्य करते हुए बसंत का स्वागत किया गया। जिसमें संस्था के छात्र-छात्राओं एवं शहर के प्रतिष्ठित गायक-गायिकाएं शामिल हुए। कार्यक्रम में रवीन्द्र संगीत आजी कमोलो मुकूलो दलो, ओरे भाई फागून लेगेछे आदि गीत संस्था के छात्रों ने प्रस्तुत किया। जिसमें आलेख का पाठ जॉली चक्रवर्ती, गौतम शील एवं शिबेन हालदार ने किया।

प्रकृति का किया सुंदर चित्रण

बसंत उत्सव कार्यक्रम के दूसरे चरण में गुरूदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर रचित नवीन नृत्य नाटिका का मंचन रवीन्द्रनाट्यम नृत्य शैली के माध्यम से संस्था के छात्राओं द्वारा किया गया। इस प्रस्तुति में चित्रकला विभाग के छात्रों ने कैनवास पर विभिन्न रंगो के माध्यम से चित्रकारी कर प्रकृति का सुंदर चित्रण किया। सौरभ चक्रवर्ती के मार्गदर्शन में की गई चित्रकारी दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहे।

कोलकाता के शांतिनिकेतन पर हुआ आयोजन

गीत वितान संस्था के नृत्यमणी मिथुन दास ने बताया कि शांतिनिकेतन में वसंत उत्सव प्रकृति के विभिन्न रंगो को के साथ खुश होने का पर्व होता है। शांतिनिकेतन में वसंत उत्सव को रविद्रिंक बसंत उत्सव के नाम से भी जाना जाता है। वसंत उत्सव मनाने की शुरुआत रवींद्रनाथ टैगोर ने शांतिनिकेतन में की थी। भिलाई में आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग 80 लोगो ने भाग लिया था। कार्यक्रम में सांगीतिक निर्देशक एवं नृत्य नाटिका कोरियोग्राफी नृत्यमणी मिथुन दास द्वारा किया गया। हारमोनियम पर चन्द्रा बैनर्जी, कृष्णा मित्र, तबले पर रूद प्रसन्न जैना, गिटार डेनील कोसरीया, सुर्यकांत बागची और की- बोर्ड पर हर्ष सोनटेके ने संगत किया। मंच संचालन जॉली सेन ने किया।

रमा बाई अंबेडकर जयंती...

नाटक में दिखाया रमा बाई का जीवन संघर्ष व समर्पण, प्रस्तुत किये काव्यपाठ और बौद्ध गीत

भिलाई। दि बुद्धिष्ट सोसायटी ऑफ इंडिया सेक्टर 6 बुद्ध विहार में डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर की जीवन संगिनी रमा बाई अंबेडकर की जयंती को एक वैचारिक समारोह के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर गोंदिया से सविता ऊके, नागपुर से अपेक्षा अमीन दीवान, वर्षा बागड़े, प्रेरणा धाबर्डे, सविता मेश्राम, अल्का बौद्ध और सविता बौद्ध उपस्थित रही। कार्यक्रम का संचालन जयश्री बौद्ध और डॉ.सरोज बौद्ध ने किया। सविता ऊके ने आधुनिक रमाई एकल नाटिका के माध्यम से रमा बाई अंबेडकर के बचपन से लेकर अल्पायु में मृत्यु तक का संघर्षमय जीवन, उनके त्याग, समर्पण और निस्वार्थ सेवा भाव को प्रस्तुत किया। वही अपेक्षा अमीन दीवान ने भारत की राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली पर अपने विचार रखें। शिक्षा के गिरते स्तर पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली में सुधार की आवश्यकता है। दि बुद्धिष्ट सोसायटी ऑफ इंडिया की अध्यक्ष वर्षा बागड़े ने रमा बाई अंबेडकर के जीवन संघर्ष को रखते हुए कहा कि मनुष्य का जीवन लंबा नही बल्कि महान होना चाहिए। प्रेरणा धाबर्डे ने कहा कि फिल्म में रमाई की भूमिका निभाकर अपने आप को गर्वांवित महसूस किया है। सविता मेश्राम ने रमाई के जीवन के मुख्य प्रसंगों पर अपनी बात रखी। प्रस्तावक अल्का बौद्ध ने अपने वक्तव्य में रमाबाई अंबेडकर जयंती मनाये जाने के बारे में बताया कि रमा बाई द्वारा डॉ बाबासाहेब अम्बेडकर को अध्ययन अध्यापन करने में मददगार बनी। स्वप्निल बांसोड़ ने अपनी ओजस्वी वाणी में क्रांतिकारी काव्यपाठ करके सबको भाव विभोर कर दिया। सविता बौद्ध ने कहा कि एक दांपत्य जीवन में स्त्री-पुरुष को एक दूसरे का मित्र होना चाहिए न कि पति के रूप पुरुष को शासक और पत्नी के रूप में स्त्री को शोषित। रेखा वासनिक, संगीता मेश्राम और सुलोचना बौद्ध द्वारा गीत प्रस्तुत किया गया। आभार व्यक्त नीतू डोंगरे ने किया। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों को मोमेंटो और धम्मपद देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सुनीता बौद्ध, वंदना बौद्ध, सुदेश रामटेके, भूपत बोरकर, सुजाता चौहान, कविता चौरे, शारदा मेश्राम, उषा मेश्राम, बबिता नागवंशी, केसर रामटेके, विजिया मेश्राम, शिवचरन पानतवने, एच पी नंदगवली, विनोद टेंभरे आदि मौजूद थे।

केम्प-2 में आयोजित देवी भागवत कथा

महिषासुर रूपी नक्सलवाद व आतंकवाद का देवी शक्ति से हो रहा अंतः पं. तिवारी

भिलाई। महिषासुर रूपी नक्सलवाद व आतंकवाद का देवी शक्ति से हो रहा है। यह बातें देवी भागवत के दौरान कथावाचक पं. पवन तिवारी ने कही। सोमवार को वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने भी किया कथा श्रवण किया और मंदिर निर्माण के लिए 5 लाख देने घोषणा भी की। मां दुर्गा मंदिर समिति द्वारा वार्ड 34 केम्प 2 में आयोजित देवी भागवत कथा के आठवें दिन कथाव्यास पं. पवन तिवारी ने अहिल्या, शुंभ-निशुंभ व रक्तबीज वध का प्रसंग सुनाया। कथा में बताया कि इंद्र ने छलपूर्वक महर्षि गौतम की पत्नि अहिल्या का स्त्रीत्व भंग कर दिया। ऋषि के श्राप से अहिल्या पत्थर बन गई जिसका उद्‌घार त्रेतायुग में हुआ। उन्होंने बताया कि दुराचारी पापी दानवों में शुंभ-निशुंभ का मां कौशिकी और चंड-मुंड का संहार मां चंडिका ने किया। दानव वधों की मनोहर झांकी भी प्रस्तुत की गई। कथाव्यास ने कहा कि नक्सलवाद, आतंकवाद महिषासुर है, जिनका अंत देवी शक्ति से हो रही है। कथाश्रवण करने पहुंचें वैशाली नगर विधायक ने मंच से 1 मार्च से 5 लाख की लागत से मंदिर निर्माण कराने की घोषणा की। विधायक ने कथाव्यास व मां दुर्गा का आशीर्वाद लेकर नगरवासियों की सुख-समृद्धि के लिए कामना की। आज तुलसी वर्षा, हवन-पूजन व भंडारे के साथ कथा का समापन होगा।

मैच में हुई चौकों-छक्कों की बौछार, जूनियर ग्रुप ने भी दिखाया दम

चतुर्भुज मेमोरियल फाउंडेशन ट्रॉफी के फाइनल में पारिजात ने जीता खिताब, हुए रोमांचक मुकाबले

कार्नर न्यूज

भिलाई। तालपुरी की पारिजात टीम ने श्री चतुर्भुज मेमोरियल फाउंडेशन क्रिकेट ट्रॉफी के फाइनल में डहलिया को करारी मात देकर खिताब अपने नाम कर लिया है। रविवार को ऑर्किड मैदान में खेले गए 16-16 ओवरों के फाइनल मैच में पारिजात ने छह विकेट से जीत दर्ज करते हुए ट्रॉफी अपने नाम की। डहलिया ने विरोधी टीम के सामने 149 रनों का लक्ष्य रखा था, जिसे पारिजात ने 11.1 ओवर में आसानी से हासिल कर लिया। पारिजात की ओर से युगल किशोर एवं होमन की सलामी जोड़ी ने 88 रनों की बौछार की, जिसमें युगल किशोर की 5 छक्कों और 3 चौकों की मदद से 61 रनों की आतिशी पारी शामिल है। ओपी मिश्रा के संयोजन में हुई प्रतियोगिता के विजेताओं को फाउंडेशन के संस्थापक अरुण श्रीवास्तव तथा एसोसिएशन के अध्यक्ष कुबेर देशमुख ने ट्रॉफी और पदक प्रदान किए।

डहलिया टीम 149 रनों पर सिमटी

टॉस जीतकर पारिजात ने पहले फील्डिंग चुनी। बल्लेबाजी करने उतरी डहलिया ने पारिजात को 149 रन बनाने की चुनौती दी। डहलिया की सलामी जोड़ी ठक्कर और आयुष ने 41 रनों की सधी हुई पारी खेली। ठक्कर ने 21 और आयुष ने 20 रनों के व्यक्तिगत स्कोर पर अपने विकेट गंवाए। रौनक के बिना खाता खुले आउट होने पर राजा ने 4 छक्कों और 5 चौकों की मदद से ताबड़तोड़ 52 रन बनाते हुए नाबाद पारी खेली। डहलिया को 149 रनों पर समेटने के बाद पारिजात ने 11.1 ओवरों में ही लक्ष्य को भेद दिया। डहलिया के गेंदबाजों युगल और गजेंद्र ने दो-दो विकेट, जबकि बल्ला ने एक विकेट लेकर बल्लेबाजों को पेवेलियन लौटाया।

मोगरा व ऑर्किड में रोमांचक मुकाबला

तीसरे स्थान के लिए 12-12 ओवरों के रोमांचक मुकाबले में मोगरा ने ऑर्किड को शिकस्त दी। मोगरा ने ऑर्किड के सामने जीत के लिए 148 रनों का लक्ष्य रखा था। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑर्किड की टीम 130 पर ही सिमट गई। इस मैच में बल्लेबाज आकाश की 62 रनों की पारी भी काम न आई। मोगरा की ओर से गेंदबाजी की कमान संभालते हुए वेद प्रकाश ने तीन विकेट, अमलदास और दुष्यंत ने दो-दो विकेट लिए। जूनियर ग्रुप का एक अन्य मैच तालपुरी और डैजी के बीच खेला गया, जिसमें तालपुरी 14 रनों से जीती। तालपुरी की ओर से खेलते हुए रोयान ने 47, जबकि श्रेयश 31 रन बनाए। उधर डैजी के हर्ष ने 28 और अथर्व ने 16 रन बनाए। तीनों मैचों में जोगाराव अंपायर, महेश विश्वकर्मा स्कोरर, डॉ अरुण साहू तथा अमित जैन ने कमेंट्रेटर की भूमिका निभाई।

ये भी जाने

महाशिवरात्रिः पूजा के दौरान भोले बाबा पर भूलकर भी न चढ़ाएं ये वस्तुएं

महाशिवरात्रि हिन्दू धर्म का महत्वपूर्ण धार्मिक पर्व है, जो इस साल 26 फरवरी को मनाया जाएगा। यह पावन त्योहार भगवान शिव और माता पार्वती के शुभ विवाह के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इस दिन श्रद्धालु भगवान शिव की पूजा-अर्चना करते हैं और श्रद्धापूर्वक व्रत रखते हैं। पूजा के दौरान उन्हें पुष्प और बील्व पत्र आदि चढ़ाए जाते हैं। हालांकि, कुछ ऐसी वस्तुएं भी हैं, जिन्हें भूलकर भी भोले बाबा पर नहीं चढ़ाना चाहिए। आइए इनके बारे में जानते हैं।

तुलसी : शिवलिंग पर तुलसी की पत्तियां नहीं चढ़ानी चाहिए। शिव पुराण के अनुसार, तुलसी पिछले जन्म में राक्षस जलंधर की पत्नी वृंदा थीं। भोलेनाथ ने उनके पति जलंधर का वध किया था। इसके बाद, वृंदा को वरदान मिला था कि वह अपने अगले जन्म में तुलसी बनेंगी।

हालांकि, पति की मृत्यु के वियोग में उन्होंने कहा था कि भगवान शिव की पूजा में तुलसी कभी शामिल नहीं होंगी। इसी कारण शिवलिंग पर तुलसी की पत्तियां अर्पित करना अनुचित माना जाता है।

कुमकुम : भगवान शिव को भूलकर भी सिंदूर, रोली या कुमकुम जैसा श्रृंगार का सामान अर्पित नहीं करना चाहिए। ऐसा करना अनुचित इसलिए माना जाता है, क्योंकि यह उनके तपस्वी स्वभाव के विपरीत है। कुमकुम व रोली के बजाय उनके मस्तक पर भस्म लगाई जाती है, क्यूंकि यह जीवन और भौतिक शरीर की नश्वरता का प्रतीक होती है। आप पूजा करते समय शिवलिंग पर चंदन भी लगा सकते हैं।

केतकी पुष्प : पुष्प हर पूजा का हिस्सा होते हैं, जिन्हें भोलेनाथ की मूर्ति और शिवलिंग पर चढ़ाया जाता है। हालांकि, बाबा को केतकी पुष्प अर्पित करने से वह नाराज हो जाते हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, इस फूल को भगवान शिव ने शापित किया था। इसका कारण यह है कि एक बार ब्रह्मा जी ने ज्योतिर्लिंग के शीर्ष पर पहुंचने का झूठा दावा किया था और केतकी के फूल ने उनकी ओर से झूठी गवाही दी थी।

नारियल पानी : वैसे तो शुभ कार्यों के दौरान नारियल पानी का उपयोग किया जाता है। हालांकि, भोले बाबा की पूजा करते समय ऐसा नहीं किया जाना चाहिए। इसका कारण यह है कि जब भी किसी भगवान पर नारियल पानी चढ़ता है तो भक्तजन उसे पीते हैं। हालांकि, शिवरात्रि के दिन शिवलिंग पर चढ़ाई गई वस्तुएं निर्मालय होती हैं और उनका सेवन नहीं किया जा सकता।

काले तिल : कई लोग शिव जी का अभिषेक करते समय दूध या जल में काले तिल भी डाल देते हैं। हालांकि, भोलेनाथ पर कभी भी काले तिल नहीं अर्पित किए जाने चाहिए। मान्यताओं के अनुसार, इसकी उत्पत्ति शिव जी के मैल से हुई थी। इसी कारण उनकी ही अशुद्धियों को दोबारा उनपर चढ़ाना अशुभ और अनुचित होता है। आप भोले बाबा के बजाय भगवान विष्णु को तिल अर्पित कर सकते हैं।

अपनी डाइट में शामिल करें ड्रैगन फ्रूट, इसके सेवन से मिल सकते हैं ये फायदे

ड्रैगन फ्रूट अपनी अनोखी बनावट और स्वाद के लिए जाना जाता है। यह फल न केवल देखने में आकर्षक होता है, बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है, लेकिन बहुत से लोग इसके फायदों से अनजान हैं। इस लेख में हम आपको ड्रैगन फ्रूट को अपनी डाइट में शामिल करने के कुछ ऐसे कारण बताएंगे, जो शायद ही लोगों को पता है लेकिन वे आपकी सेहत को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं।

प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूती देने में है सहायक : ड्रैगन फ्रूट विटामिन-C का अच्छा स्रोत है, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत कर सकता है। यह शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली बढ़ा सकता है, जिससे बीमारियों से बचाव होता है। इसका नियमित सेवन सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियों का खतरा कम कर सकता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स भी होते हैं, जो शरीर की कोशिकाओं को फ्री रेडिकल्स से बचाते हैं। अगर आप अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली बढ़ाना चाहते हैं तो ड्रैगन फ्रूट का सेवन जरूर करें।

पाचन तंत्र के लिए है लाभकारी : ड्रैगन फ्रूट फाइबर का अच्छा स्रोत है, जो पाचन तंत्र के लिए लाभकारी होता है। यह कब्ज जैसी समस्याओं को दूर करने और पेट साफ रखने में मदद करता है। इसके नियमित सेवन से पेट की समस्याएं कम हो सकती हैं और पाचन तंत्र बेहतर काम कर सकता है। इसमें प्रीबायोटिक्स होते हैं, जो अच्छे बैक्टीरिया की वृद्धि को बढ़ावा देते हैं और आंतों की सेहत बनाए रखते हैं। इसे अपनी डाइट में शामिल करना समझदारी भरा कदम होगा।

वजन घटाने में है सहायक : वजन घटाने वालों के लिए ड्रैगन फ्रूट एक आदर्श फल साबित हो सकता है। इसमें कैलोरी कम होती है, जबकि पोषक तत्व अधिक होते हैं। इसका उच्च फाइबर कंटेंट भूख नियंत्रित रखने में सहायता करता है, जिससे आप लंबे समय तक संतुष्ट महसूस करते हैं। साथ ही यह मेटाबॉलिज्म दर बढ़ाकर कैलोरी बर्निंग प्रक्रिया तेज कर देता है, जिससे वजन घटाना आसान हो जाता है।

थकान, कमजोरी और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं

हीमोग्लोबिन की कमी बन सकती है कई समस्याओं का कारण, जानें इसे बढ़ाने के उपाय

हीमोग्लोबिन (लाल रक्त कोशिकाओं में पाया जाने वाला एक प्रोटीन) हमारे शरीर में खून का एक अहम हिस्सा होता है, जो ऑक्सीजन को शरीर के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचाता है। जब हीमोग्लोबिन का स्तर कम हो जाता है तो इससे थकान, कमजोरी और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इस लेख में हम जानेंगे कि हीमोग्लोबिन की कमी को ठीक करने के लिए किन चीजों का सेवन करना चाहिए।

आयरन युक्त आहार अपनाएं

हीमोग्लोबिन की कमी का सबसे बड़ा कारण आयरन की कमी होती है। आयरन हमारे शरीर में खून बनाने में मदद करता है। इसलिए अपनी डाइट में हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, मेथी और सरसों शामिल करें।

प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ खाएं

प्रोटीन हमारे शरीर की कोशिकाओं को बनाने और मरम्मत करने में मदद करता है, जो कि स्वस्थ रक्त निर्माण के लिए जरूरी होता है।दूध, दालें और सोया प्रोटीन के अच्छे स्रोत होते हैं, जिन्हें आप अपने भोजन में शामिल कर सकते हैं। प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ खाने से न केवल आपकी मांसपेशियों को मजबूती मिलती है, बल्कि यह आपके रक्त निर्माण प्रक्रिया को भी सुधारता है, जिससे हीमोग्लोबिन स्तर बेहतर होता है।

विटामिन-सी का सेवन बढ़ाएं

विटामिन-सी आयरन के अवशोषण को बेहतर बनाता है, जिससे हीमोग्लोबिन का स्तर तेजी से बढ़ता है। संतरा, नींबू, आंवला और अमरूद जैसे फलों को अपने दैनिक आहार में शामिल करें। ये फल न केवल विटामिन-सी प्रदान कर सकते हैं बल्कि आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत कर सकते हैं। विटामिन-सी युक्त खाद्य पदार्थों के साथ आयरन युक्त भोजन लेने से आपको अधिक लाभ मिलेगा।

फोलिक एसिड पर ध्यान दें

फोलिक एसिड एक प्रकार का विटामिन-B होता है, जो नए रक्त कोशिकाओं के निर्माण में सहायक होता है। इसकी कमी होने पर एनीमिया जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं, जिससे हीमोग्लोबिन कम हो सकता है। हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, ब्रोकली और दालें फोलिक एसिड से भरपूर होती हैं, जिन्हें आप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं ताकि आपका खून सही मात्रा में बने रहे और आपका स्वास्थ्य अच्छा बना रहे ।

केले से बनाए जा सकते हैं ये दक्षिण भारतीय व्यंजन, मन हो जाएगा तृप्त

केला एक ऐसा फल है, जो दक्षिण भारतीय खान-पान में अधिक इस्तेमाल होता है। इसके जरिए कई पारंपरिक व्यंजन तैयार किए जाते हैं, जिनका स्वाद चखने के बाद उन्हें बार-बार खाने का मन करता है। यह फल पोटैशियम, फाइबर, विटामिन सी और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्वों का भंडार होता है, जो पाचन को दुरुस्त करता है और ऊर्जा भी बढ़ाता है। इस लेख में हम आपको केले के 5 दक्षिण भारतीय व्यंजनों की रेसिपी बताएंगे, जो झटपट बन जाती हैं।

मैंगलोर बंद : कर्नाटक के मैंगलोर में केले के बंद बनाए जाते हैं, जिन्हें मैंगलोर बंद कहते है। यह इस शहर का मशहूर नाश्ता है, जिसे आप चाय के साथ खा सकते हैं। इसके लिए केले को मीसकर उसमें चीनी मिलाएं और पीस लें। अब एक कटोरे में इस मिश्रण को निकालें और उसमें मैदा, आटा, घी, नमक, जीरा, दही और बेकिंग सोडा मिला दें। इसे गूंथे और कुछ घंटे रखने के बाद इसकी पूड़ियां बेलें। इन्हें गर्म तेल में तलें और खाएं।

केले का पायसम : अगर आपको खीर पसंद है तो आपको केले का पायसम बनाकर खाना चाहिए। यह दक्षिण भारत की पारंपरिक मिठाई है, जिसे बनाना आसान है। इसके लिए गुड़ और पानी की चाशनी बनाएं और केलों को काटकर मीस लें। एक पैन में घी गर्म करें और उसमें काजू, किशमिश और नारियल के टुकड़े डालकर भून लें। अन्य पैन में मीसा हुआ केला, चाशनी, दालचीनी पाउडर, इलायची पाउडर और नारियल का दूध मिलाएं। इसे भुने हुए मेवों से सजाकर परोसें।

केले के चिप्स : केले के चिप्स दुनियाभर में मशहूर हैं, जिनमें कैलोरी कम होती हैं। इन्हें आप चाय के साथ परोस सकते हैं और स्नैक्स की तरह भी खा सकते हैं। इसके लिए कच्चे केले लें और उन्हें छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। एक कढ़ाई में तेल गर्म करें और चिप्स को डीप फ्राई कर लें। अगर आपको डीप फ्राई खाना पसंद नहीं है तो आप उन्हें एयर फ्राई भी कर सकते हैं। परोसने से पहले इन्हें नमक और मसालों में लपेट लें।

पझम पोरी : पझम पोरी केरल का मशहूर व्यंजन है, जिसे फ्राइड केला भी कहते हैं। यह भी एक लोकप्रिय नाश्ता है, जिसका स्वाद चाय के साथ बढ़िया लगता है। इसे बनाने के लिए केलों को छील लें और लंबे-लंबे टुकड़ों में काट लें।

लहसुन की जगह इन चीजों का करें उपयोग, स्वाद में नहीं होगी कमी

लहसुन का इस्तेमाल भारतीय रसोई में बहुत आम है, लेकिन कई बार हमें इसके विकल्प की जरूरत पड़ सकती है। चाहे वह एलर्जी हो या स्वाद में बदलाव की इच्छा, लहसुन के बिना भी आप अपने खाने को स्वादिष्ट बना सकते हैं। आइए आज हम आपको पांच ऐसे खाद्य पदार्थों के बारे में बताते हैं, जो लहसुन का बेहतरीन विकल्प बन सकते हैं। ये न केवल आपके खाने को नया स्वाद देंगे बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होंगे।

अदरक का करें इस्तेमाल : अदरक एक ऐसा मसाला है, जो लहसुन की तरह ही तीखा और सुगंधित होता है। इसका इस्तेमाल सब्जियों, दालों और करी में किया जा सकता है। अदरक न केवल आपके खाने को खास बनाएगा बल्कि यह पाचन तंत्र के लिए भी फायदेमंद होता है। इसे कदूकस करके या छोटे टुकड़ों में काटकर इस्तेमाल किया जा सकता है। अदरक का रस भी कई व्यंजनों में डाला जा सकता है, जिससे उनका स्वाद बढ़ जाता है।

प्याज से बढ़ाएं स्वाद : प्याज एक ऐसा सब्जी है, जो हर रसोईघर में आसानी से मिल जाती है और इसका उपयोग लहसुन के स्थान पर किया जा सकता है। प्याज को बारीक काटकर या पीसकर सब्जियों और करी में डालें, इससे आपका खाना सुगंधित और स्वादिष्ट बनेगा। प्याज न केवल खाने का रंग-रूप सुधारता है बल्कि इसमें मौजूद पोषक तत्व आपकी सेहत के लिए भी अच्छे होते हैं जैसे कि विटामिन-C और फाइबर जो इम्यून सिस्टम को मजबूत करते हैं।

चिव्स आजमाएं : चिव्स एक हरी पत्तेदार जड़ी-बूटी होती हैं, जिनका हल्का प्याज जैसा स्वाद होता हैं, जो सलाद, सूप या सॉस बनाने के लिए उपयुक्त होती हैं। इन्हें बारीक काटकर अपने व्यंजन पर छिड़का जा सकता हैं ताकि उन्हें ताजगी भरा जायका मिले।

हींग का करें प्रयोग

हींग एक पारंपरिक मसाला है, जिसका उपयोग भारतीय व्यंजनों में सदियों से होता आ रहा है। यह लहसुन जैसा तीखा स्वाद देता है और पेट संबंधी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। हींग को तड़के के रूप में दालों या सब्जियों पर छिड़का जा सकता है, जिससे उनका जायका बढ़ जाता है। इसकी थोड़ी मात्रा ही काफी होती है क्योंकि इसका असरदार प्रभाव होता है इसलिए इसे ध्यानपूर्वक इस्तेमाल करें।

हाइकिंग करने जा रहे हैं तो अपने साथ पैक करके ले जाएं ये पौष्टिक स्नैक्स

प्रकृति प्रेमी और एडवेंचर पसंद करने वाले लोग शहर की भाग-दौड़ से दूर जाने के मौके तलाशते रहते हैं। मन को शांत करने और प्रकृति से जुड़ाव महसूस करने का एक अच्छा तरीका है हाइकिंग पर जाना। हालांकि, इसके दौरान अधिक भूख लगती है और हल्के खाद्य पदार्थों का सेवन करने की सलाह दी जाती है। ऐसे में अगर आप भी हाइकिंग करने जा रहे हैं तो अपने साथ ये पौष्टिक स्नैक्स लेकर जाएं। इनके जरिए आपको ऊर्जा मिलती रहेगी।

ग्रेनोला बार

आप हाइकिंग करते समय अपने शरीर को ऊर्जावान बनाए रखने के लिए ग्रेनोला बार खा सकते हैं। यह खाद्य पदार्थ ऊर्जा बढ़ाने के साथ-साथ कोलेस्ट्रॉल के स्तर को भी नियंत्रित रखता है और पाचन स्वास्थ्य को भी दुरुस्त करता है। ग्रेनोला बार सूखी बेरी, ओट्स, कद्दू के बीज और मेवों जैसे साबुत अनाज के संयोजन से बनती है। इसे खाने से आपको फाइबर समेत कई अन्य पोषक तत्व मिल सकते हैं।

भुने हुए चने

हाइकिंग पर जाते समय आपको ऐसे खाद्य पदार्थ पैक करने चाहिए, जिन्हें ले जाना आसान हो और जो तुरंत खाए जा सकें। ऐसा ही एक स्वस्थ स्नैक है भुने हुए चने, जिन्हें प्रोटीन का पावर हाउस कहा जाता है। इनमें भरपूर मात्रा में फाइबर मौजूद होता है, जिसके जरिए आपका पेट लंबे समय तक भरा हुआ रह सकता है। इन्हें खान-पान का हिस्सा बनाने से ऊर्जा बढ़ती है और प्रतिरक्षा प्रणाली भी मजबूत होती है।

डार्क चॉकलेट

डार्क चॉकलेट केवल अपने लजीज स्वाद के लिए ही मशहूर नहीं है। इसे आप हाइकिंग के दौरान एक स्वस्थ स्नैक की तरह खा सकते हैं। इस खाद्य पदार्थ में कैफीन मौजूद होता है, जो आपको अधिक सतर्क और केंद्रित महसूस करने में मदद कर सकता है। डार्क चॉकलेट आपको अधिक ऊर्जावान भी बना सकती है और अपनी फाइबर सामग्री के कारण पोषक तत्वों के अवशोषण को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है।

केले या शकरकंद के चिप्स

अक्सर लोग हाइकिंग के दौरान पैकेट वाले चिप्स खाते हैं, जो प्रोसेस्ड होने के कारण अस्वस्थ होते हैं। आप इनकी जगह पर केले या शकरकंद के चिप्स ले जा सकते हैं। शकरकंद के चिप्स फाइबर और विटामिन ए से समृद्ध होते हैं, जो ऊर्जा प्रदान करने में मदद करते हैं। वहीं, केले के चिप्स कई तरह के विटामिन से लैस होते हैं और थकान को दूर करने में योगदान देते हैं।

ताजे फल

हाइकिंग करते समय आपको विभिन्न प्रकार के ताजे फलों का सेवन करना चाहिए। फल कार्बोहाइड्रेट और प्राकृतिक शर्करा से भरपूर होते हैं। ये शरीर में धीमी गति से ऊर्जा को जारी करते हैं और पेट को लंबे समय तक भरा हुआ रखते हैं। आप हाइकिंग यात्रा के दौरान केले, सेब और संतरे जैसे स्वादिष्ट फल खा सकते हैं।

कार्नर न्यूज

इसे पहनने से जीवन में आते हैं सकारात्मक बदलाव भी

महाशिवरात्रिः हर रुद्राक्ष का होता है अपना एक अलग महत्व, यहां जानें

रुद्राक्ष को भारतीय संस्कृति में बहुत अहम माना जाता है। यह न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि इसे पहनने से जीवन में सकारात्मक बदलाव भी आते हैं। रुद्राक्ष के अलग-अलग प्रकार होते हैं, जिनका उपयोग विभिन्न उद्देश्यों के लिए किया जाता है। इस लेख में हम आपको उन रुद्राक्षों के बारे में बताएंगे, जो सफलता और धन प्राप्ति में मदद कर सकते हैं और उनके आपको कई लाभ भी मिल सकते हैं।

एकमुखी रुद्राक्ष का महत्व

एकमुखी रुद्राक्ष को सबसे शक्तिशाली माना जाता है। इसे भगवान शिव का प्रतीक कहा जाता है, जो व्यक्ति के तनाव को कम और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को बढ़ाता है। इसे धारण करने से आत्मविश्वास में वृद्धि होती है, जिससे व्यक्ति अपने लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त कर सकता है। यह आर्थिक समृद्धि लाने में भी सहायक होता है और जीवन में सकारात्मक बदलाव लाता है। इसके प्रभाव से व्यक्ति की सोचने-समझने की शक्ति बढ़ती है।

पंचमुखी रुद्राक्ष से लाभ

पंचमुखी रुद्राक्ष सबसे आम प्रकार का होता है, जिसे लोग धारण करते हैं। इसे पहनने से व्यक्ति के जीवन में ज्ञान, स्वास्थ्य और समृद्धि आती है। यह रुद्राक्ष सोचने-समझने की शक्ति को बढ़ाता है, जिससे व्यक्ति सही निर्णय ले पाता है। यह मानसिक तनाव को कम करने और मन को शांत रखने में भी मदद करता है। इसे धारण करने से आत्मविश्वास में वृद्धि होती है और व्यक्ति जीवन की चुनौतियों का सामना बेहतर तरीके से कर सकता है।

सातमुखी रुद्राक्ष का प्रभाव

सातमुखी रुद्राक्ष को मां लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है, जो धन-धान्य की देवी हैं। इसे धारण करने से व्यक्ति के जीवन में आर्थिक स्थिरता आती है और उसकी वित्तीय स्थिति मजबूत होती जाती है। यह व्यापारियों के लिए खासतौर पर फायदेमंद होता है क्योंकि इससे उनके व्यवसाय में वृद्धि होती रहती है। इसके प्रभाव से व्यक्ति को आर्थिक मामलों में सही निर्णय लेने की क्षमता मिलती है, जिससे उसकी आर्थिक उन्नति होती है और जीवन में समृद्धि आती है।

ग्यारहमुखी रुद्राक्ष की विशेषता

ग्यारहमुखी रुद्राक्ष भगवान हनुमान जी का प्रतीक है, जो साहस और शक्ति प्रदान करता है। इसे पहनने से व्यक्ति को भय और चिंता से मुक्ति मिलती है, जिससे वह अपने कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर पाता है। यह रुद्राक्ष व्यक्तित्व विकास में सहायक होता है और नेतृत्व क्षमता को बढ़ाता है। इसके प्रभाव से आत्मविश्वास में वृद्धि होती है, जिससे व्यक्ति जीवन की चुनौतियों का सामना बेहतर तरीके से कर सकता है।

चौदहमुखी रुद्राक्ष काअसर

चौदहमुखी रुद्राक्ष भगवान शिव की तीसरी आंख का प्रतीक है। इसे पहनने से व्यक्ति के अंदर अंतर्ज्ञान की क्षमता बढ़ती है, जिससे वह भविष्य की घटनाओं का पूर्वानुमान लगा सकता है। यह रुद्राक्ष ज्ञान और विज्ञान में वृद्धि करता है, जो पेशेवर जीवन में उन्नति के लिए जरूरी है। इसके प्रभाव से व्यक्ति सही निर्णय लेने में सक्षम होता है और आत्मविश्वास बढ़ता है, जिससे वह जीवन की चुनौतियों का सामना बेहतर तरीके से कर सकता है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

ऑस्कर में फिल्मों को करना होगा एआई के उपयोग का खुलासा!

अगले साल से ऑस्कर पुरस्कार विजेताओं से उनकी फिल्मों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग का खुलासा करने के लिए गंभीरता से विचार करेगा, विशेष रूप से द ब्रूटलिस्ट विवाद के बाद यह कदम उठाया जाएगा। 'द ब्रूटलिस्ट' को इस साल सर्वश्रेष्ठ फिल्म श्रेणी में नामांकित किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, 'द ब्रूटलिस्ट' ने अपने पोस्ट-प्रोडक्शन चरण में कुछ प्रदर्शनों को बेहतर बनाने के लिए एआई का इस्तेमाल किया। हालांकि, निर्देशक ने बाद में एक बयान जारी कर बताया कि उन्होंने हंगेरियन भाषा में कुछ सिलेबल्स और स्वरों के उपयोग को बेहतर बनाने के लिए ही एआई का इस्तेमाल किया था। निर्देशक ब्रैडी कॉर्बेट ने एक बयान साझा किया, जिसमें कहा गया कि फिल्म के एक हिस्से में एआई ऑडियो तकनीक रिस्पीचर का इस्तेमाल किया गया था। इसका इस्तेमाल केवल हंगेरियन भाषा के संवाद संपादन में किया गया था, विशेष रूप से सटीकता के लिए कुछ स्वरों और अक्षरों को बताने के लिए किया गया था। अंग्रेजी भाषा में कोई बदलाव नहीं किया गया। ऑस्कर के लिए नामांकित कलाकारों- एड्रियन ब्रॉडी और फेलिसिटी जोन्स के अभिनय के बारे में बात करते हुए फिल्म निर्माता ने कहा, 'एड्रियन और फेलिसिटी का अभिनय पूरी तरह से उनका अपना है।' हालांकि, 'द ब्रूटलिस्ट' एकमात्र ऐसी फिल्म नहीं है, जिसकी फिल्मांकन प्रक्रिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल किया गया है।

टॉलीवुड

'तंडेल' में नागा चैतन्य का अभिनय देख भावुक हुए नागार्जुन

नागा चैतन्य और साई पल्लवी अभिनीत बहुप्रतीक्षित तेलुगु फिल्म 'तंडेल' आखिरकार 7 फरवरी को बड़े पर्दे पर आ गई, दर्शकों का प्यार भी मिला। चंदू मोंडेती द्वारा लिखित और निर्देशित और देवी श्री प्रसाद द्वारा एक भावपूर्ण साउंडट्रैक के साथ फिल्म ने पहले ही अपनी भावनात्मक रूप से भरी कहानी और मनोरंजक प्रदर्शनों से दर्शकों का दिल जीत लिया है। फिल्म को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया के बीच अब नागा चैतन्य के पिता और सुपरस्टार नागार्जुन ने अपने बेटे पर बहुत गर्व महसूस किया और अपनी भावनाओं को सोशल मीडिया पर व्यक्त किया। एक्स पर एक भावपूर्ण नोट साझा करते हुए नागार्जुन ने 'तंडेल' के आधिकारिक पोस्टर के साथ नागा चैतन्य को गले लगाते हुए अपनी एक मार्मिक तस्वीर पोस्ट की। हालांकि, उनके पोस्ट ने फैंस को भी भावुक कर दिया। पोस्ट साझा करते हुए नागार्जुन ने लिखा, 'प्रिय नागा चैतन्य, मुझे तुम पर गर्व है बेटा। मैंने तुम्हें सीमाओं को लांघते, चुनौतियों का सामना करते और इस कला को अपना दिल देते देखा है। तंडेल सिर्फ एक और फिल्म नहीं है - यह तुम्हारे अथक जुनून, बड़े सपने देखने की हिम्मत और तुम्हारी कड़ी मेहनत का सबूत है।' नागार्जुन ने चैतन्य के फैंस का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने आगे लिखा, 'आप हमारे साथ परिवार की तरह खड़े रहे हैं और तंडेल की सफलता उतनी ही आपकी है जितनी हमारी। आपके अंतहीन प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद। आभार।

भोजपुरी

निरहुआ ने त्रिवेणी संगम में लगाई आस्था की डुबकी

भोजपुरी कलाकार दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' ने प्रयागराज के संगम में डुबकी लगाई और वीडियो शेयर करके फैंस को कुंभ में आने का न्यौता दिया है। इससे पहले आम्रपाली दुबे, राजकुमार राव, ईशा गुप्ता और अन्य सितारे भी यहां पहुंच चुके हैं। टीवी और बॉलीवुड जगत के सितारों के बाद अब भोजपुरी इंडस्ट्री के कलाकार भी प्रयागराज पहुंच रहे हैं। आम्रपाली दुबे के बाद एक्टर दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' भी प्रयागराज पहुंचे। जहां उन्होंने संगम में आस्था की डुबकी लगाई। सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए 'निरहुआ'ने फैंस से कहा कि चलो कुंभ चलें। इंस्टाग्राम पर निरहुआ ने दो वीडियोज शेयर किए, जिसमें से पहले वीडियो में वह संगम में डुबकी लगाते और हाथ जोड़कर प्रार्थना करते नजर आए। वहीं, दूसरे वीडियो में वह कुर्सी पर बैठकर चाय पीते नजर आए। पहले वीडियो के साथ उन्होंने गायक कैलाश खेर के गाने 'चलो कुंभ चलें' को भी जोड़ा। वीडियो में अभिनेता पीली धोती के साथ उसी रंग का गमछा लिए नजर आए। दिनेश लाल से पहले अभिनेता राजकुमार राव पत्नी पत्रलेखा के साथ प्रयागराज पहुंचे, जहां उन्होंने संगम में डुबकी लगाई थी। इसके बाद अभिनेता परमार्थ निकेतन आश्रम पहुंचे और स्वामी चिदानंद सरस्वती से मुलाकात कर आशीर्वाद भी लिया था। इनके अलावा ईशा गुप्ता भी अपनी मां के साथ संगमनगरी पहुंची थीं। अभिनेत्री ने कहा था, 'मुझे संगम आकर बहुत अच्छा लग रहा है। यहां यूपी सरकार ने काफी अच्छी व्यवस्था की है। मैंने सोशल मीडिया पर एक रील देखी थी, जिसमें एक बुजुर्ग महिला खो गई थी। हम बचपन से सुनते आ रहे हैं कि यहां इतनी भीड़ होती है कि लोग यहां आकर खो जाते हैं। मगर सरकार ने इतनी अच्छी व्यवस्था की है कि जो खोए, वे फिर से अपने परिवार को मिल गए।'

लाइफ स्टाइल

भाई की शादी से प्रियंका चोपड़ा के लुक्स

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा के भाई हाल ही में शादी के बंधन में बंध चुके हैं। भाई की शादी में देसी गर्ल यानी प्रियंका ने एक से बढ़कर एक लुक को कैरी किया और हर लुक में उनकी आउटफिट सबसे खास थी। भाई की शादी के लिए एक्ट्रेस ने टेल और ट्रकवायज रंग के लहंगे को कैरी किया था, जिस पर खूबसूरत स्वार्वोस्की वर्क किया गया है। एक्ट्रेस ने माता की चौकी फंक्शन के लिए एक खूबसूरत सूट को कैरी किया। जिसमें शॉर्ट कुर्ता और एक प्लाजो के साथ मैचिंग दुपट्टा था। इस आउटफिट के साथ उन्होंने बड़े झुमके पहने थे और बालों को खुला रखा। प्रियंका ने भाई की मेहंदी फंक्शन के लिए ट्यूब गाउन को कैरी किया। जिसपर रंग बिरंगे फूलों की कढ़ाई की गई है। इस लुक के साथ उन्होंने एक नेकपीस कैरी किया है और बालों को खुला रखा है।

क्या आप सही तरीके से पोनीटेल बांध रही हैं या फिर कर रहीं हैं गलतियां

पोनीटेल एक ऐसा हेयरस्टाइल है, जो हर उम्र की महिलाओं के बीच बहुत लोकप्रिय है। यह न केवल बालों को संभालने में मदद करता है, बल्कि आपको एक साफ-सुथरा लुक भी देता है, लेकिन क्या आप इसे सही तरीके से बांध रहे हैं? कई बार हम कुछ छोटी-छोटी गलतियां कर बैठते हैं, जिससे हमारे बालों को नुकसान पहुंच सकता है। आइए उन गलतियों के बारे में जानते हैं, जिन्हें हमें पोनीटेल बांधते समय नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

बहुत टाइट पोनीटेल बांधना : बहुत टाइट पोनीटेल बांधने से आपके बालों की जड़ें कमजोर हो सकती हैं, जिससे सिरदर्द और बालों का झड़ना शुरू हो सकता है। इससे बालों की चमक भी कम होती है, जो आपके लुक को प्रभावित कर सकती है। इसलिए ध्यान रखें कि आपकी पोनीटेल इतनी टाइट न हो कि वह खिंचाव पैदा करे और असुविधा दे। हल्की ढीली पोनीटेल आपके बालों को आराम देती है और उन्हें स्वस्थ रखने में मदद करती है, जिससे बाल मजबूत बने रहते हैं।

गीले बालों की पोनीटेल बनाना : गीले बालों में पोनीटेल बनाने से बचना चाहिए क्योंकि गीले बाल ज्यादा कमजोर होते हैं और जल्दी टूट सकते हैं। जब आप गीले बालों को कसकर बांधते हैं तो उनके टूटने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए हमेशा अपने बाल सूखने के बाद ही उन्हें बांधे ताकि वे सुरक्षित रहें और उनकी प्राकृतिक चमक बनी रहे। यह आपके बालों को स्वस्थ रखने का एक आसान तरीका है, जिससे उनका सौंदर्य भी बना रहता है।

एक ही जगह पर पोनीटेल बनाना

हर दिन एक ही जगह पर पोनीटेल बनाने से उस हिस्से के आसपास के बाल कमजोर हो सकते हैं, जिससे वहां पर गंजापन आने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए कोशिश करें कि कभी ऊंची तो कभी नीचे की ओर पोनीटेल बनाएं। इससे आपके बालों के सभी हिस्से समान रूप से दबाव सहन कर सकेंगे और कोई हिस्सा कमजोर नहीं पड़ेगा। यह तरीका आपके बालों को स्वस्थ और मजबूत बनाए रखने में मदद करता है।

रात में सोते समय पोनीटेल न खोलना

रात में सोते समय अपने बाल खोलकर सोना फायदेमंद होता है क्योंकि इससे बालों को आराम मिलता है और वे हवा ले पाते हैं। अगर आप रातभर बाल बंधे रखते हैं तो उनके टूटने का खतरा बढ़ जाता है और सिरदर्द भी हो सकता है। इसलिए सोने से पहले अपनी पोनीटेल खोल दें ताकि बालों को आराम मिले और सुबह उठकर आपके बाल स्वस्थ और चमकदार दिखें। यह तरीका आपके बालों की सेहत को बनाए रखने में मदद करता है।

दक्षिण भारत की इन साड़ियों में दिखता है बेहतरीन लुक

फैशन

दक्षिण भारतीय साड़ियां अपनी सुंदरता और पारंपरिक कारीगरी के लिए जानी जाती हैं। ये साड़ियां न केवल खास मौकों पर पहनी जाती हैं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में भी इनका अहम स्थान है। अगर आप अपनी अलमारी में कुछ खास जोड़ना चाहती हैं तो दक्षिण भारत की साड़ियों का चयन एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। आइए पांच प्रमुख दक्षिण भारतीय साड़ियों के बारे में जानते हैं, जिन्हें आपको जरूर आजमाना चाहिए।

कांजीवरम साड़ी : कांजीवरम साड़ी तमिलनाडु की पहचान है और इसे शाही अंदाज का प्रतीक माना जाता है। इसकी खासियत इसकी रेशमी बनावट और जरी की कारीगरी होती है, जो इसे बेहद आकर्षक बनाती है। यह शादी-ब्याह जैसे बड़े मौकों पर पहनने के लिए एकदम सही होती है। कांजीवरम साड़ी को पहनकर आप न केवल पारंपरिक लुक पा सकती हैं, बल्कि यह आपको शाही एहसास भी देती है। इसके साथ हल्के गहने पहनकर आप अपने लुक को पूरा कर सकती हैं।

चेट्टीनाड कॉटन साड़ी : चेट्टीनाड कॉटन साड़ियां तमिलनाडु के चेट्टीनाड क्षेत्र से आती हैं और इन्हें गर्मियों में पहनना बहुत आरामदायक होता है। इनकी विशेषता इनके हल्के कपड़े और सरल डिजाइन होते हैं, जो रोजमर्रा के उपयोग के लिए उपयुक्त होते हैं। ये सूती साड़ियां आपकी त्वचा को हवा लगने देती हैं, जिससे आप पूरे दिन ताजगी महसूस करती रहती हैं। इन्हें हल्के गहनों या मोतियों से सजाकर आप एक साधारण लेकिन आकर्षक लुक पा सकती हैं।

कसावू साड़ी : केरल की कसावू साड़ी अपनी सफेद रंगत और सुनहरी किनारों के लिए प्रसिद्ध है। यह विशेष रूप से ओणम जैसे त्योहारों पर पहनी जाती है, लेकिन अन्य अवसरों पर भी इसका चलन बढ़ रहा है। इसकी सफेद रंगत आपको एक शांतिपूर्ण और मनोहर लुक देती है, जबकि सुनहरी किनारे इसे भव्य बनाते हैं। कसावू को पारंपरिक गहनों के साथ पहनकर आप किसी भी उत्सव में चार चांद लगा सकती हैं।

पट्टू सिल्क साड़ी : पट्टू सिल्क आंध्र प्रदेश की मशहूर रेशमी साड़ी होती है, जो अपने चमकीले रंगों और जटिल डिजाइनों के लिए जानी जाती है। यह खासकर शादी या अन्य बड़े समारोहों में पहनने के लिए आदर्श मानी जाती है क्योंकि इसका भारी काम इसे बेहद खास बनाता है।

इलकल साड़ी : इलकल साड़ी कर्नाटक की एक खास शैली की साड़ी है, जो सूती और रेशमी कपड़े के मिश्रण से बनती है। इसकी पहचान इसके अनोखे बॉर्डर डिजाइन से होती है, जो अलग-अलग रंगों में उपलब्ध होते हैं और इसे विशिष्ट बनाते हैं। पारंपरिक पैटर्न और चमकीले रंगों के मेल से सजाए गए ये बॉर्डर इसे खास अवसरों पर पहनने के लिए आदर्श बनाते हैं।

महिलाएं इन तरीकों से पहन सकती हैं अपनी डेनिम शर्ट, लगेंगी बेहद स्टाइलिश

डेनिम जींस तो सभी की पसंदीदा होती हैं, लेकिन इस कपड़े से बनने वाली शर्ट भी महिलाओं के बीच लोकप्रिय हैं। डेनिम शर्ट हमेशा फैशन में रहती हैं और आपके लुक में आसानी से चार चांद लगा सकती हैं। इन्हें पहनकर एक कूल लुक मिलता है और ये आरामदायक होने के साथ-साथ स्टाइलिश भी होती हैं। आज के फैशन टिप्स में जानिए कि आप डेनिम शर्ट को किन तरीकों से स्टाइल कर सकती हैं।

डेनिम जींस या स्कर्ट के साथ पहनें : आप सबसे अलग और आकर्षक लुक पाने के लिए डेनिम ओवर डेनिम स्टाइल का चुनाव कर सकती हैं। इसका मतलब होता है डेनिम जींस, स्कर्ट या शॉर्ट्स के साथ डेनिम शर्ट को स्टाइल करना। इस लुक को पाने के लिए एक ही रंग की शर्ट और जींस पहनें। इससे एक मोनोक्रोमेटिक लुक बनेगा और आप बेहद कूल दिखेंगी। इस तरह के आउटफिट के साथ स्नीकर्स और धूप का चश्मा बढ़िया लगता है।

वाइड लेग पैंट के साथ स्टाइल करें : इन दिनों महिलाओं के बीच ओल्ड मनी एस्थेटिक प्रचिलित हो रहा है। इसका मतलब होता है ऐसे कपड़े पहनना, जो हमेशा फैशन में बने रहते हैं। अगर आप डेनिम शर्ट के जरिए यह लुक हासिल करना चाहती हैं तो उसे वाइड लेग पैंट के साथ पहनें। आप काली या भूरे रंग की पैंट चुन सकती हैं। डेनिम शर्ट को पैंट के अंदर टक करें और एक बेल्ट भी पहनें। लुक को पूरा करने के लिए स्लिंग बैग और हील्स पहनें।

टी-शर्ट के साथ लेयर करें : अगर आप बिना ज्यादा मेहनत किए स्टाइलिश दिखना चाहती हैं तो डेनिम शर्ट को टी-शर्ट के साथ लेयर करें। इसके लिए आप सफेद या काले रंग की गोल गले वाली टी-शर्ट पहन सकती हैं। टी-शर्ट के ऊपर हल्के नीले रंग वाली डेनिम शर्ट कैरी करें। इस आउटफिट के साथ हाई वेस्ट और वाइड लेग जींस शानदार लगेगी।

छोटी कद की लड़कियां इस तरह से पहनें साड़ी, मिलेगा आकर्षक लुक

साड़ी भारतीय परिधान का एक अहम हिस्सा है, जो हर उम्र की महिलाओं को पसंद आता है। हालांकि, छोटी कद की लड़कियों के लिए साड़ी पहनना कभी-कभी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। सही तरीके से साड़ी पहनकर आप अपने लुक को और भी खास बना सकती हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी टिप्स देंगे, जिनसे आप अपनी साड़ी को बेहतरीन तरीके से स्टाइल कर सकती हैं।

छोटे प्रिंट्स का चयन करें : छोटे प्रिंट्स वाली साड़ियां छोटी कद की लड़कियों के लिए बेहतरीन विकल्प होती हैं। ये प्रिंट्स आंखों को ज्यादा नहीं खटकते और आपके लुक को साफ-सुथरा बनाते हैं। बड़े प्रिंट्स या भारी डिजाइन आपके शरीर पर हावी हो सकते हैं, जिससे

आपका आकार छोटा दिखाई दे सकता है। छोटे प्रिंट्स के साथ हल्के रंगों का चयन करने से आपकी साड़ी का आकर्षण बढ़ जाता है और आप लंबी दिखती हैं।

पतली बॉर्डर वाली साड़ियां पहनें : पतली बॉर्डर वाली साड़ियां छोटी कद की लड़कियों के लिए बहुत फायदेमंद होती हैं। मोटी बॉर्डर आपकी लंबाई को कम दिखा सकती है, जिससे आपका लुक भारी लग सकता है। इसके विपरीत पतली बॉर्डर वाली साड़ियां आपकी ऊंचाई को बढ़ाने में मदद करती हैं और आपके लुक को संतुलित बनाती हैं। साड़ी में पतली बॉर्डर के साथ हल्के रंगों का चयन करने से भी आपकी साड़ी का आकर्षण बढ़ जाता है।

हील्स वाले फुटवियर्स पहनें : हील्स वाले फुटवियर्स आपके लुक में चार चांद लगाने के साथ-साथ आपकी ऊंचाई भी बढ़ा सकते हैं। जब आप इन्हें पहनती हैं तो आपकी चाल-ढाल में सुधार होता है और आप अधिक आकर्षक लगती हैं। यह ध्यान रखें कि फुटवियर का रंग आपकी साड़ी से मेल खाता हो ताकि आपका पूरा लुक एकसार लगे।

कार्नर न्यूज

ऑफिस में पेशेवर तरीके से ड्रेस अप करने के तरीके

ऑफिस में प्रोफेशनल लुक के लिए ऐसे पहनें कपड़े, लगें स्मार्ट और खूबसूरत

ऑफिस में सही कपड़े पहनना न केवल आपके आत्मविश्वास को बढ़ाता है, बल्कि आपके पेशेवर व्यक्तित्व को भी निखारता है। चाहे आप किसी मीटिंग में जा रहे हों या रोजमर्रा के कामकाज के लिए तैयार हो रहे हों, आपकी पोशाक का चुनाव बहुत अहम होता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे टिप्स देंगे, जो आपको ऑफिस में एक बेहतरीन और प्रोफेशनल लुक देने में मदद करेंगे।

फॉर्मल शर्ट और पैंट का मेल

फॉर्मल शर्ट और पैंट का मेल हमेशा से ही ऑफिस के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प माना जाता है। सफेद, नीला या हल्के रंग की शर्ट के साथ गहरे रंग की पैंट पहनें। यह संयोजन न केवल क्लासिक दिखता है बल्कि हर मौके पर फिट बैठता है। ध्यान रखें कि आपकी शर्ट अच्छी तरह से प्रेस की हुई हो और पैंट सही फिटिंग की हो ताकि आपका लुक साफ-सुथरा लगे।

ब्लेजर का उपयोग करें

ब्लेजर आपके लुक को तुरंत पेशेवर बना सकता है और इसे आप किसी भी साधारण शर्ट और पैंट के साथ आसानी से पहन सकते हैं। ब्लेजर चुनते समय उसके रंग और फिटिंग पर विशेष ध्यान दें ताकि वह आपके शरीर पर अच्छी तरह बैठे। ब्लैक, नेवी ब्लू या ग्रे जैसे न्यूट्रल रंगों का चयन करें, जो हर प्रकार की पोशाक के साथ अच्छे लगते हैं और आपके लुक को खास बनाते हैं। यह संयोजन आपको आत्मविश्वास से भर देता है।

साड़ी या सलवार-कमीज पहनें

महिलाओं के लिए साड़ी या सलवार-कमीज एक पारंपरिक और स्टाइलिश विकल्प हो सकता है। ऑफिस के लिए हल्के कपड़े की साड़ी चुनें, जिसमें ज्यादा चमक-दमक न हो ताकि वह ऑफिस माहौल में उपयुक्त लगे। सलवार-कमीज को मॉडर्न टच देने के लिए उसे बेल्ट या जैकेट के साथ पेयर कर सकती हैं। इससे आपका लुक खास और आकर्षक बनेगा। रंगों का चयन करते समय ध्यान रखें कि वे हल्के और आंखों को भाने वाले हों ताकि आपका लुक पेशेवर लगे।

सूती कुर्ती-पैंट सेट लगेगा सुंदर

पुरुषों के लिए सूती कुर्ती-पैंट सेट एक आरामदायक और स्टाइलिश विकल्प होता है। हल्के रंग जैसे सफेद, क्रीम या हल्का नीला चुनें, जो आंखों को ठंडक पहुंचाते हैं और ऑफिस के माहौल में भी अच्छे लगते हैं। यह पहनावा न केवल आपको आराम देगा बल्कि आपके पेशेवर लुक को भी निखारेगा।